RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com शुक्रवार , 17 जुलाई 2026 | वर्षः 04, अंकः 117 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

सरकार ने आदेश जारी किए; हमलों में 14 भारतीयों की मौत के बाद फैसला

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। महानिदेशालय समुद्री प्रशासन (डीजीएमए) ने जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती न करें। डीजीएमए ने जारी एडवाइजरी में कहा है कि फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के समुद्री क्षेत्र में चलने वाले सभी जहाजों के कप्तान (मास्टर) सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरतें। उन्हें संबंधित अधिकारियों की ओर से जारी नेविगेशन चेतावनियों, सुरक्षा सलाह और ताजा अपडेट पर लगातार नजर रखने के साथ-साथ इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट सिक्योरिटी कोड के तहत सभी सुरक्षा उपाय लागू करने होंगे।

हालिया हमलों के बाद जारी हुई एडवाइजरी

यह सलाह हाल ही में एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा नाम के दो जहाजों पर हुए हमलों के बाद जारी की गई है। इन दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे। इस हमले में एमटी अल बहियाह पर तैनात एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। वहीं एमटी मोम्बासा पर सवार नौ भारतीय नागरिक घायल हुए।

सरकार बनाएगी रियल-टाइम निगरानी प्रणाली

इन घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को डीजीएमए को निर्देश दिया था कि वह ऐसा रियल-टाइम डैशबोर्ड तैयार करे, जिससे फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में चल रहे हर जहाज पर मौजूद भारतीय नाविकों की तुरंत उपलब्ध हो सके।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज नहीं भेज रहीं कंपनियां

होर्मुज में जहाज नहीं भेज रहीं कंपनियां: ईरानी हमलों के बाद कई शिपिंग कंपनियां होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए अमेरिका की सुरक्षा लेने से भी बच रही हैं।

2. अमेरिकी हमलों में 35 ईरानी लोगों की मौत: ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के दिनों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 35 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

3. ईरान जंग के बाद पहली बार अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू: इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। वे दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने जा रहे हैं।

4. अचानक कतर पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री: अब्बास अराघची अचानक कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। वह कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेंगे।

5. लापता भारतीय नाविक के मौत की पुष्टिः ओमान के तट के पास कारोबारी जहाज गैलेक्सी पर 12 जुलाई को हुए हमले के बाद लापता हुए एक भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि हो गई है।

तेल की कीमतों में आई गिरावट

ईरान पर अमेरिका के नए हमलों के बाद पहले तेल की कीमतों में तेजी देखी गई थी, क्योंकि निवेशकों को डर था कि तनाव बढ़ने से बड़े युद्ध की स्थिति बन सकती है और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। हालांकि, अब ट्रेडर्स इन हमलों के वास्तविक असर का आकलन कर रहे हैं। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की नरमी आई है। सुबह 06:05 ब्रेंट क्रूड की कीमत 44 सेंट यानी 0.52 प्रतिशत गिरकर 84.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई।

ट्रम्प के निशाने पर ईरान का पिकऐक्स माउंटेन

ट्रम्प ने कहा है कि ईरान का पिकऐक्स माउंटेन न्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स अमेरिकी निशाने पर है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो इस ठिकाने पर भी हमला किया जा सकता है।

क्यों अहम है पिकऐक्स माउंटेन?

यह ठिकाना नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी के पास पहाड़ के भीतर बनाया गया है। माना जाता है कि इसकी सुरंगें करीब 100 मीटर मोटी चट्टानों के नीचे हैं। ईरान का कहना है कि यहां एडवांस सेंट्रीफ्यूज बनाए जाते हैं, जबकि पश्चिमी देशों को शक है कि इसका इस्तेमाल यूरेनियम संवर्धन या परमाणु कार्यक्रम के दूसरे हिस्सों के लिए भी हो सकता है।

हमला करना इतना मुश्किल क्यों?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह ठिकाना इतना गहराई में है कि अमेरिका का सबसे ताकतवर 57 बंकर बस्टर बम भी इसे पूरी तरह तबाह नहीं कर पाएगा। अगर सिर्फ सुरंग के मुहानों पर हमला किया जाए, तो रास्ता कुछ समय के लिए बंद हो सकता है, लेकिन अंदर मौजूद ढांचे को पूरी तरह नष्ट करना मुश्किल होगा।

ईरान जंग के बाद पहली बार अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू, ट्रम्प से मुलाकात पर सस्पेंस

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलना चाहते हैं, लेकिन अभी तक यह तय नहीं है कि दोनों नेताओं की मुलाकात होगी या नहीं। हिब्रू मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू अमेरिका में दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने और उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे हैं। ग्राहम इजराइल के मजबूत समर्थक माने जाते थे और सप्ताहांत में उनका निधन हो गया था।

रिपोर्टः ईरान ने हूती से कहा- अमेरिका ने बिजली नेटवर्क पर हमला किया तो रेड सी बंद करें ईरान ने यमन के हूती विद्रोहियों से कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के बिजली ढांचे पर हमला करता है तो वे बाब अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने के लिए तैयार रहें। रॉयटर्स ने गुरुवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठ नेटवर्क पर बंगाल, दिल्ली समेत कई राज्यों में ईडी का छापा

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी फंडिंग और रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में छापेमारी की। पश्चिम बंगाल के कलिलकापुर स्थित हरौरा अल-जमीयतुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद किए गए। परिसर के प्रभारी व्यक्ति से इस धन और सोने के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद इसे धन शोधन निवारण अधिनियम-2002 की धारा 17 के तहत जब्त कर लिया गया। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई है, जिनकी जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई एक संगठित गिरोह पर की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए अवैध घुसपैठ कराने, फर्जी आधार, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाने तथा विदेशी धन के सहारे घुसपैठियों को भारत में बसाने का काम करता था।

4 1

डीएम ने ग्राम चौपाल लगाकर, सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को ग्राम में कैम्प लगाकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने ह्लगॉव की समस्या,गॉव में समाधानह्ल के अन्तर्गत विकास खण्ड मंझनपुर की ग्राम-टेवा में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि ग्राम में कैम्प लगाकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। उनके द्वारा नजदीकी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी को आवश्यक दवाओं एवं एंटी स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से ग्राम में सैम बच्चों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र अवश्य भर्ती कराया जाए। उन्होंने नायब तहसीलदार को राजस्व से संबंधित शिकायतों को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान किया एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किया। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पशुओं का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए।

ग्राम चौपाल में ग्रामवासियों ने बताया कि रात्रि में विद्युत की कटौती होती है, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, विद्युत से कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति एवं कैम्प लगाकर विद्युत से संबंधित शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

परियोजना निदेशक ने बताया कि आवास प्लस सर्वे के अंतर्गत 118 परिवारों को चिन्हित किया गया है। जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 922 लोगों को व्यक्तिगत शौचालय का लाभ दिया गया है एवं कुछ नए आवेदन प्राप्त हुए हैं, पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित कर दिया जाएगा। ग्राम में अधिष्ठापित सभी हैंडपम्प क्रियाशील हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 218 लोगों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है एवं परिवार रजिस्टर से मिलन के उपरांत और 39 पात्र लोगों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें शीघ्र लाभान्वित किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 117 लाभार्थियों को निराश्रित महिला पेंशन का लाभ मिल रहा है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 57 दिव्यांगजनों को पेंशन का लाभ मिल रहा है।

ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

जिलाधिकारी ने गोआश्रय स्थल,टेवा परिसर में किया पौधारोपण

जिलाधिकारी ने प्लास्टिक यूनिट का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज गोआश्रय स्थल,टेवा परिसर में पौधारोपण कर आमजन को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के प्रति जागरूक किया।

जिलाधिकारी ने गोआश्रय स्थल, टेवा के समीप स्थापित प्लास्टिक यूनिट का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी से प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण, पृथक्करण एवं प्रसंस्करण की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि प्लास्टिक यूनिट का प्रभावी संचालन किया जाए।

एसपी ने पुलिस अस्पताल में एचपीवी टीकाकरण कैंप का किया शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन फतेहपुर के पुलिस अस्पताल में आयोजित एचपीवी टीकाकरण कैंप का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित स्कूली बच्चों, बालिकाओं व पुलिस परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा एवं समय पर टीकाकरण के महत्व के संबंध में अवगत कराया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वास्थ्य विभाग के डी.आई.ओ.एस राकेश कुमार एवं डिप्टी सीएमओ (अर्बन नोडल) डॉ. शहाबुद्दीन को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल संचालन हेतु स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम से डॉ. वर्तिका मिश्रा (एम.ओ.), डॉ. संजय यादव (एम.ओ.), फार्मासिस्ट निशीथ श्रीवास्तव, ए.एन.एम. श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती सरिता देवी, श्रीमती स्वर्ण कुमारी, श्रीमती प्रियंका देवी तथा स्वास्थ्य पर्यवेक्षक गौरव मिश्रा आदि ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर गौरव शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

चोरी की घटना में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । 9 जुलाई को थाना कोखराज पर वादिनी उमा देवी पत्नी अशोक कुमार मौर्य निवासिनी ग्राम व थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि बीती रात्रि में मेरे बगल वाले दूसरे घर में बधें मेरी 2 भैंस व 8 बकरियां अज्ञात चोरो द्वारा ताला तोड़कर चोरी कर ली गयी है ।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना कोखराज पुलिस टीम को चोरी की घटना के अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था ।

गुरुवार को थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा गस्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना हुई कि उक्त चोरी की घटना से संबंधित अभियुक्तगण पिकअप गाड़ी से हाइवे के रास्ते प्रयागराज की तरफ जा रहे है इस सटीक सूचना के आधार पर सकाढ़ा तिराहा से फतेहपुर लेन के पास पिकअप को रुकवाकर चेक किया गया तो मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये 2 अभियुक्तों मो0 इस्लाम पुत्र मो0 कलाम . मो0 सलाम पुत्र मो0 कलाम निवासीगण ग्राम बम्हरौली थाना पुरामुफ्ती जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से एक पड़िया एवं एक भैसा एवं 2250 रुपये तथा घटना में प्रयुक्त एक चार पहिया पिकअप वाहन बरामद किया गया ।

गुमशुदा तीनों बालकों को मात्र 1 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। बुधवार को थाना चांदपुर पर इमामी पुत्र अमीश निवासी ग्राम गौरी अवाजीपुर थाना चांदपुर जनपद फतेहपुर द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम अवाजीपुर व भद्दूपुर के तीन नाबालिग बालक, जो विद्यालय गए थे, विद्यालय की छुट्टी के उपरांत घर वापस नहीं लौटे हैं। सूचना प्राप्त होते ही थाना चांदपुर पुलिस द्वारा मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल उच्चाधिकारीगण को अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में थाना प्रभारी चांदपुर द्वारा तत्काल 6 पुलिस टीमों का गठन कर बालकों की सकुशल बरामदगी हेतु संभावित स्थानों पर सघन तलाश प्रारंभ की गई।

तलाश के दौरान पुलिस टीमों ने मार्ग में लगे लगभग 20 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का अवलोकन किया तथा स्थानीय लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई कि तीनों बालक मऊदेव क्षेत्र में पानी पीने के बाद जोनिहा जाने की बात कहकर आगे बढ़े थे।

प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने लगातार तलाश जारी रखी, जिसके परिणामस्वरूप सूचना प्राप्त होने के लगभग 01 घंटे के भीतर तीनों बालकों को गढ़ी बस स्टॉप, थाना जाफरगंज, जनपद फतेहपुर से सकुशल बरामद कर लिया गया। आवश्यक विधिक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए तीनों बालकों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

वृन्दावन राय थानाध्यक्ष चांदपुर.उ0नि0 राय साहब यादव (चौकी प्रभारी सठिगंवा).उ0नि0 कौशल पति.उ0नि0 अंकुश यादव.उ0नि0 जय प्रकाश यादव।

अंतर्जनपदीय चार चोर गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त वाहन तमंचा कारतूस नगदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। 10 जुलाई को वादी विकास कुमार पुत्र सुरेन्द्र यादव निवासी टोडर आटा, थाना बराचट्टी, जनपद गया (बिहार) द्वारा थाना खागा पर तहरीरी सूचना दी गई कि वह अपने ट्रक एक अन्य ट्रक चालक के साथ ग्राम भोगलपुर, थाना खागा, जनपद फतेहपुर में वाहन खड़ा कर विश्राम कर रहा था। इसी दौरान दोपहर के समय अज्ञात व्यक्ति कार से आए तथा वादी के ट्रक में चढ़कर उसका मोबाइल फोन, पर्स में रखे लगभग ?15,000 नगद, एटीएम कार्ड, वाहन की आरसी, ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक अभिलेख चोरी कर ले गए। साथ ही दूसरे ट्रक चालक फोन भी चोरी कर लिया।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी खागा के नेतृत्व में थाना खागा पुलिस द्वारा देर रात्रि में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग की जा रही थी।

इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर अमाव अंडरपास से आगे प्रयागराज की ओर से आ रही एक संदिग्ध सफेद रंग की अर्टिगा कार को रोकने का प्रयास किया गया, जिस पर कार सवार बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी गई। पुलिस टीम ने साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए प्रभावी घेराबंदी कर चारों अभियुक्तगण मोहम्मद ओसामा पुत्र मोहम्मद असलम उम्र करीब 24 वर्ष निवासी उमरी बमरौली थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज, मोहम्मद शमीर पुत्र नौसाद उम्र करीब 22 वर्ष निवासी जैतपुर हनुमानगंज थाना सराय इनायत जनपद प्रयागराज, मोहम्मद सुहैब पुत्र मोहम्मद नफीस उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम व थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज. मोहम्मद रफीक पुत्र मोहम्मद असलम उम्र करीब 20 वर्ष निवासी देखी की पुलिया अहमदपुर पावन थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज, को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की जामा तलाशी एवं वाहन की तलाशी के दौरान 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 01 अदद खोखा कारतूस 315 बोर, 01 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर, ?4,100/- नगद, 07 अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 02 अदद कीपैड मोबाइल फोन, 10 अदद मोबाइल सिम, 10 अदद सीजर (चाकू) तथा घटना में प्रयुक्त 01 अदद सफेद रंग की अर्टिगा कार बरामद हुई।

पुलिस टीम द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा चोरी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त राकेश कुमार यादव पुत्र सूरजबली निवासी ग्राम सुनेवादेई थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार किया गया ।

इसी क्रम में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा धोखाधड़ी से सम्बन्धित 2 वारण्टी अभियुक्तों राम कैलाश पुत्र विश्राम पाल निवासी कटहुला गौसपुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज . बलजीत उर्फ राहुल पुत्र सुरेश निवासी महुवारी औद्योगिक क्षेत्र थाना नैनी जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया ।

सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत

दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल नईम मियां का पूरा स्थित पेट्रोल पंप के पास गुरुवार दोपहर को सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया है।

जानकारी के मुताबिक मनौरी पावर हाउस निवासी वीरेंद्र कुमार उम्र 32 वर्ष पुत्र राम सजीवन बाइक संख्या वढ 73 9285 से गुरुवार की दोपहर चायल कस्बा से अपने घर लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार चायल नईम मियां का पूरा स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे मनौरी की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया बताया जाता है कि घटना स्थल पर उसकी मौत हो गई दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई हादसे में गंभीर रूप से घायल वीरेंद्र कुमार को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चायल भेजा गया,जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुर्घटना करने वाले वाहन एवं उसके चालक की तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर प्राप्त होने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

एसपी ने आगामी सावन मेले को लेकर व्यापारियों के साथ की बैठक, सुनी समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों द्वारा अपनी समस्याओं एवं सुझावों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। साथ ही आगामी त्यौहार सावन मेला के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बाजारों में भीड़ नियंत्रण तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखते हुए, आगामी त्यौहार सावन मेला के दौरान व्यापारिक गतिविधियों की सुरक्षा एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, पुलिस एवं व्यापार मंडल के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

मीटिंग के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर गौरव शर्मा व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्राकृतिक संसाधनों से छात्रों ने तैयार किए संचार मॉडल : डॉ. दिवाकर अवस्थी

कानपुर। भविष्य के पत्रकारों के लिए पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर विषयों को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाना जरूरी है। दृश्य संचार इसके लिए एक सशक्त माध्यम है। यह बातें गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने विभाग में आयोजित दृश्य संचार प्रतियोगिता के दौरान कहीं।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में बीएजेएमसी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने दृश्य संचार प्रतियोगिता में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर संचार के विभिन्न मॉडलों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने चार्ट पेपर पर घास, सूखे पत्ते, टहनियां, मिट्टी, जूट की रस्सियां और अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्री का उपयोग करते हुए संचार सिद्धांतों को रचनात्मक रूप दिया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण और संचार के बीच संबंध को दर्शाते हुए बताया कि प्रकृति स्वयं एक प्रभावी संदेशवाहक है और मनुष्य उसका प्राप्तकर्ता। छात्रों ने अपने मॉडलों के माध्यम से यह भी समझाने का प्रयास किया कि मानवीय हस्तक्षेप से संचार चक्र और प्राकृतिक संतुलन किस प्रकार प्रभावित होता है।

डॉ. दिवाकर अवस्थी ने छात्रों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से जटिल संचार मॉडलों को सरल तरीके से प्रस्तुत करना उनकी रचनात्मक सोच, विषय की समझ और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यावहारिक प्रयोग विद्यार्थियों को जिम्मेदार और संवेदनशील पत्रकार बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

प्रतियोगिता में स्नातक पत्रकारिता के सभी विद्यार्थियों ने समूहों में भाग लिया। निर्णायक मंडल ने छात्रों के नवाचार और पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उपयोग की सराहना करते हुए इसे जनजागरूकता अभियानों के लिए उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. होइमावती तालुकदार ने किया। इस अवसर पर डॉ. ओमशंकर गुप्ता, डॉ. योगेंद्र पांडेय, डॉ. जितेंद्र डबराल, डॉ. रश्मि गौतम, डॉ. हरिओम, सागर कनौजिया, प्रेम किशोर शुक्ला सहित विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

भगवान जगन्नाथ के रथों को खींचने को श्रद्धालुओं का उमड़ा हुजूम

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में ओमर- ऊमर वैश्य क्षेत्रीय समिति के तत्वावधान में गुरुवार को शाम इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पूरी श्रद्धा, हर्षोल्लास और पारंपरिक भव्यता के साथ निकाली गई। रथ यात्रा की शुरूआत विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती के साथ हुई, जिसके बाद भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथों को खींचने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। पूरा माहौल जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। रथ यात्रा के दौरान जगह-जगह पर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर और आरती उतारकर भगवान का भव्य स्वागत किया।

ओमर-ऊमर वैश्य क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष जयकिशोर ओमर ने बताया कि यह यात्रा गत वर्ष भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शहर के सुभाष बाजार स्थित श्री महावीर मंदिर से निकाली गई है। इस रथ यात्रा के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता ने भगवान जगन्नाथ की आरती उतार कर रथ यात्रा का शुभारम्भ किया।

अज्ञात कार की टक्कर से बुजुर्ग बाइक सवार की मौत

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर जिले के कस्बा मण्डावर में मंडावर-बलावली मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की अज्ञात कार की टक्कर लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अजमल पुत्र शराफत (70 वर्ष), निवासी ग्राम चितौनी के रूप में हुई है। बताया गया कि अजमल बाइक से नांगलपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए दुर्घटना में शामिल कार को कब्जे में ले लिया है।

जेसीबी की टक्कर से युवक की मौत, महिला घायल

पिता को अस्पताल से छुट्टी दिलाने जा रहा था, चार माह पहले हुई थी शाद

बिजनौर। नगीना रोड स्थित मोहित पेट्रोकेमिकल के सामने गुरुवार को जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे से आक्रोशित परिजनों ने मौके पर हंगामा किया, जिन्हें पुलिस ने समझाकर शांत कराया।

थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव बांकपुर पामडावली निवासी अश्वनी (22) पुत्र विजय सिंह गुरुवार पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे अपनी रिश्तेदारी की महिला डोली निवासी बकली के साथ बाइक से जिला अस्पताल जा रहा था। बताया गया कि उसके पिता अस्पताल में भर्ती थे और

उन्हें छुट्टी दिलाकर घर ले जाना था। मोहित पेट्रोकेमिकल के सामने पहुंचने पर बाइक की फैक्ट्री परिसर से निकल रही जेसीबी से टक्कर हो गई। हादसे में अश्वनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डोली गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और फैक्ट्री की लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात सुचारु कराया। परिजनों के अनुसार अश्वनी शहर कोतवाली क्षेत्र के बकली में मोबाइल की दुकान संचालित करता था। उसकी शादी चार माह पूर्व ही हुई थी। वह दो बहनों का इकलौता भाई था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जंगल में प्रेमी संग घूमने गई नाबालिग प्रेमिका से गैंगरेप में दो गिरफ्तार

चित्रकूट। अपने प्रेमी के बुलावे पर जंगल गई एक आदिवासी नाबालिग को तीन युवकों ने पकड़ लिया। उसी के दुपट्टे से प्रेमी के हाथ-पैर बांध दिए और उसके साथ सामूहिक दुराचार किया। बाद में आरोपित उसे कर्वी में छोड़ गए। किसी तरह वह घर पहुंची और फिर पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने नाबालिग किशोरी के प्रेमी सहित गैंगरेप के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि 14 जुलाई को नाबालिग किशोरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 13 जुलाई की दोपहर वह अपने पुरुष मित्र जिन्नू कोल के बुलावे पर गई थी। दोनों झरी फाटक से आगे कच्चे रास्ते से जंगल की ओर गए। वहां जिन्नू ने अपनी बाइक खड़ी कर दी। जंगल के अंदर चेकडैम के पास पहुंचे। वहां तीन युवकों को नहाते देख दोनों दूसरी ओर जाने लगे। किशोरी के अनुसार, तीनों ने उनको देख लिया और असलहा दिखाकर रोक लिया। तीनों युवक प्रेमी युगल को जंगल के अंदर ले गए। बताया कि युवकों ने उसके दुपट्टे से जिन्नू के दोनों हाथ पीछे की ओर बांध दिए और उसे झाड़ी के पीछे ले जाकर बारी- बारी से दुराचार किया। पुलिस ने झरी फाटक के पास से जिन्नू को गिरफ्तार किया।

सीसीटीवी फुटेज और जिन्नू की निशानदेही पर अखिलेश उर्फ जरैला पुत्र कल्लू प्रसाद निवासी कबरई थाना कोतवाली देहात (बांदा) को भी पकड़ा गया। अखिलेश उर्फ जरैला ने बताया कि अखिलेश उर्फ पटेल पुत्र शिवपूजन और लल्लू उर्फ लाला पुत्र जगजीत वर्मा निवासी कबरई भी गैंगरेप में शामिल थे। पुलिस इन दोनों की तलाश कर रही है।

मौका पाकर भाग निकला था जिन्नू

किशोरी ने बताया कि दो युवक जिन्नू की बाइक से खाने पीने की चीजें लेने चले गए। एक युवक उनकी रखवाली करता रहा। मौका पाकर जिन्नू भाग गया। तीनों आरोपी उसे 3-4 घंटे रोके रहे फिर बाइक से मारकुंडी से हनुमानधारा होते हुए कुछ देर रामघाट पर रुके। इसके बाद कर्वी में पेट्रोल पंप के पास छोड़ दिया। धमकी दी कि किसी को मत बताना नहीं तो जान से मार देंगे।

किशोरी ने बताया कि किसी तरह वह मानिकपुर पहुंची और वहां से गांव पहुंचते-पहुंचते उसको रात हो गई। दूसरे दिन सुबह उसने थाने में जाकर घटना की जानकारी दी। पीड़िता ने बयान में यह भी बताया कि जिन्नू भी उसके साथ संबंध बनाता रहा है। इस पर रिपोर्ट में जिन्नू कोल पुत्र रघुनंदन का नाम भी जोड़ा गया। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्तों के पास से घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल, जामा तलाशी से एक अदद मोबाइल भी बरामद हुआ है।

डीएम की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के अन्तर्गत वर्तमान में चल रहे मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही किये जाने हेतु आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन दिनांक 4 जुलाई को कराया दिया गया है। उक्त आलेख्य रूप से प्रकाशित सूची के सम्बन्ध में जनपद के समस्त राजनैतिक दलों द्वारा उपलब्ध करायी गये सुझाव / आपत्तियों पर सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किये गये निस्तारण के सम्बन्ध में गुरुवार को मध्याह्न 12.00 बजे से जनपद के संगम सभागार, कलेक्ट्रेट, प्रयागराज में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जनपद के समस्त वर्तमान संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों एवं समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 254-फाफामऊ के विधायक गुरू प्रसाद मौर्य, 256-फूलपुर के विधायक दीपक कुमार पटेल, 260-करछना के विधायक पियूष रंजन निषाद जी, समस्त मा० राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने छात्र छात्राओ द्वारा भूजल जनजागरूकता हेतु रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । गुरुवार को भूजल सप्ताह 2026 के शुभारंभ के अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा कलेक्टरेट परिसर से हरी झंडी दिखा कर प्रचार वाहन एवं विद्यालयों के छात्र छात्राओ द्वारा भूजल जनजागरूकता हेतु रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

प्रचार वाहन द्वारा ग्राम पंचायतो, विकास खंडो में भूजल सन्देश के माध्यम से जल के प्रबंधित उपयोग हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम किया जायेगा।

रैली में जनपदीय अधिकारियों, विद्यालय के छात्रों एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसका समापन विकास भवन परिसर में हुआ, भूजल रिचार्ज एवं वर्षा जल संचयन के लिए जनसहभागिता हेतु हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया गया तथा संबंधित विभागों/ संस्थाओं को जल के विवेकपूर्ण एवं प्रबंधित उपयोग तथा उसके संचयन हेतु विभिन्न तकनीकियों पर चर्चा कर उसको अमल में लाने हेतु जोर दिया गया।

कैशलेश व्यवस्था का लाभ 30 हजार कर्मियों के परिजनों को

सरकार की योजना कर्मियों के हित में, होगा उनका लाभ : बीएसए अनिल कुमार

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। प्रदेश सरकार ने कैशलेश उपचार की घोषणा सभी कर्मियों और उनके परिजनों के लिए कर दिया है जिससे जिले के करीब 30 हजार कर्मियों और उनके परिजनों को इस योजना का लाभ मिलेगा। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार की सराहनीय पहल है जिसका लाभ बेसिक शिक्षा के शिक्षकों, कर्मियों और अन्य को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में करीब 25 हजार शिक्षक, शिक्षिकाओं, शिक्षामित्र, अनुदेशक, स्पेशल एजुकेटर और शिक्षामित्रों को कैशलेस योजना का लाभ मिल रहा है जबकि दूसरे चरण में करीब 30 हजार कर्मियों और शिक्षकों को योजना का लाभ मिल रहा है।

बेसिक शिक्षा के अनुदेशक 555, शिक्षामित्र 2855, रसोइया 9206, शिक्षक - शिक्षिकाएं 11326, स्पेशल एजुकेटर 54 और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के 165 शिक्षक, शिक्षिकाएं और कर्मचारी है।

इसी प्रकार से माध्यमिक शिक्षा में 4854 कर्मियों और उनके परिजनों को लाभ मिलेगा जिसमें स्थायी शिक्षक एडेड विद्यालयों के 4590, अल्पकालिक शिक्षक 15, व्यावसायिक शिक्षक 55, जीआईसी के व्यावसायिक शिक्षक 33 और संस्कृत विद्यालयों के स्थायी शिक्षक व कर्मी 94 और अस्थाई 67 शिक्षक और कर्मचारियों को योजना का लाभ मिलेगा।

रोडवेज बस कंडक्टर से छिनैती की रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही पुलिस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में रोडवेज बस कंडक्टर से 22 हजार नकद और सरकारी दस्तावेज छीन लिए जाने की एफआईआर एक सप्ताह बाद भी दर्ज नहीं की जा सकी है। सुनील कुमार सिंह निवासी सिंघी, वाराणसी, ग्रामीण डिपो में परिचालक है। बताया कि बस स्टैंड पर उतरते ही बाइक सवार बदमाश बैग छीनकर चंपत हो गया। सुनील कुमार के अनुसार, बैग में नकद 22,000 रुपए, मोबाइल आधार, एटीएम कार्ड व जरूरी अन्य कागजात थे।

घटना के बाद सुनील ने डॉयल 112 पर कॉल किया। 8 जुलाई को थाना जार्जटाउन में लिखित तहरीर दी। लेकिन थाना प्रभारी ने जांच करने की बात कहकर टरका दिया।

भुक्तभोगी का आरोप है कि थाने में बैठाकर तीन घंटे इंतजार कराया। उसके बाद अगले दिन आने को कहा। दूसरे दिन जाने पर सीसीटीवी निकलवाकर लाने का दबाव उल्टे भुक्तभोगी पर ही बनाया।

क्या कहता है कानून ?

"छिनैती, सरकारी दस्तावेज और 22 हजार की छिनैती संज्ञेय अपराध है। धारा 304 बीएनएस के तहत तुरंत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज होनी चाहिए।"

साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला में दी कई महत्वपूर्ण जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। साइबर क्राइम पुलिस द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा के रीजनल ऑफिस में साइबर सुरक्षा के विषय पर कार्यशाला की गई। इसमें कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

गुरुवार को बैंक ऑफ बड़ौदा रीजनल आफिस, कालिन्दीपुरम में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम में रीजनल ऑफिस के करीब 40 लोग व गूगलमीट के माध्यम से लगभग 150 ब्रान्च के कर्मियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सुनील मौर्य (हेड, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ) एवं स्वप्निल त्रिपाठी (डीन, फैकल्टी ऑफ लॉ) के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनता में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान करना था। अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, डिजिटल पेमेंट सुरक्षा, म्यूल खातों एवं साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया गया। सचेत किया गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा आधिकारिक पोर्टल एनसीआरपी वेबसाइट www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

साइबर अपराध से बचनें के टिप्स

अनजान लिंक पर क्लिक न करें। सोशल मीडिया पर पर्सनल जानकारी शेयर न करें। ऑनलाइन स्कीम और लाटरी निकलने जैसे ऑफर पर भरोसा न करें। पब्लिक वाई-फाई का उपयोग न करें। अपने ब्राउजर को अपडेट रखें। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 2-Step Verification ऑन रखें।

अनजान नंबर से आयी कॉल को रिसीव करने से बचे। साइबर अपराध होने पर टोल फ्री नं0-1930 पर डायल करें।

युवक ने फंदे से लटक कर दी जान, जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के पुरवा खास गांव में अंकित मिश्रा (27वर्ष)पुत्र लालचंद मिश्रा ने गुरुवार भोर में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने कमरे की तलाशी ली, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। घरवाले भी कोई स्पष्ट कारण नहीं बता सके। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक की जांच में पारिवारिक कलह से तंग आकर खुदकुशी की बात सामने आई है।

पुरवा खास गांव निवासी अंकित मिश्रा तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह गांव में ही सरकारी राशन की दुकान पर काम करता था। करीब छह वर्ष पहले उसका विवाह हुआ था। उसकी तीन बेटियां हैं। गुरुवार भोर में घरवाले अंकित मिश्रा के कमरे में गए,तो उसका शव फंदे से लटकते देख हतप्रभ रह गए। चीख पुकार मची तो आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। खबर पाकर पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

औद्योगिक क्षेत्र थाने की पुलिस का कहना है कि घरवालों से बातचीत में पता चला कि अंकित का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिस कारण करीब तीन माह से उसकी पत्नी नैनी में अपनी बहन के घर रह रही है। अंकित ने खुदकुशी किन कारणों से की, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है, हालांकि मौजूद लोगों ने कहा कि घरेलू विवाद के चलते ही उसने खुदकुशी की है।

गैर इरादतन हत्या के दो दोषियों को 10 वर्ष की कैद, 31 हजार रुपये का लगा जुमार्ना

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रूपाली सक्सेना की अदालत ने गुरुवार को 15 वर्ष पूर्व लाठी डंडे से मारकर हत्या करने के दो आरोपियों को 10-10 वर्ष के कारावास व 31000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

इस संबंध में शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार सिंह ने बताया कि खेतासराय थाना क्षेत्र के कलापुर गांव निवासी रामदयाल ने मुकदमा दर्ज करवाया कि दिनांक 8 सितंबर 2011 को रात लगभग 10:30 बजे कलापुर शराब ठेके के सामने उसका लड़का रामफेर व पड़ोसी लड़का राम मिलन शराब के नशे में आपस में वाद विवाद में हाथापाई किये। राममिलन ने बीच बचाव करने आए पन्नालाल को भी मारा। बेटे के घर आने पर राममिलन, प्रवीण, राकेश व करिया वादी के घर में घुसकर रामफेर को बाहर खींच कर लाठी डंडे से मारा पीटा। राम फेर की पत्नी बीच बचाव करने आई तो उसे भी मारा। रात भर बेहोश रहने के बाद रामफेर को सुबह अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने भी विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद के भूमि अधिग्रहण के खिलाफ व्यापारियों-काश्तकारों ने खोला मोर्चा

चित्रकूट। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद द्वारा प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का स्थानीय व्यापारियों और भूमिधरों ने विरोध किया है। उन्होंने जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को ज्ञापन सौंपकर अहमदगंज, चकला राजरानी,रानीपुर भट्ट के आसपास की व्यावसायिक भूमि को अधिग्रहण से बाहर रखने की मांग की है। वहीं बांदा-चित्रकूट के पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल ने भी व्यापारियों और काश्तकारों के समर्थन में मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को पत्र लिखकर आवास विकास परिषद को बाईपास के पास भूमि उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया है।

आवास विकास परिषद के भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे राजू बनारसी,महेश प्रसाद जायसवाल,प्रकाश मिश्रा,नत्थू प्रसाद, डीके सैनी,अर्पित अग्रवाल,सौरभ अग्रवाल,अजय सोनी,चांदकांता,अमर सिंह,आशाराम,गुरू प्रसाद सिंह,राजकुमार सैनी,अवधेष कुमार,अभय मिश्रा,दीपक द्विवेदी,अजय मिश्रा,लखपत सिंह,सुनील कुमार द्विवेदी,संगम लाल सिंह,द्वारिका प्रसाद,हरवंष प्रसाद,कमलेश सिंह आदि सैकड़ों व्यापारियों और काश्तकारों ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंच कर भूमि अधिग्रहण के विरोध में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को ज्ञापन सौंपा। व्यापारी अर्पित अग्रवाल और प्रकाश मिश्रा ने बताया कि कहा कि जिस भूमि को आवास विकास परिषद अधिग्रहित करने का प्रस्ताव कर रहा है, वह मौजा अहमदगंज और चकला राजरानी में स्थित है। यह न तो बंजर है और न ही कृषि योग्य भूमि है। यह क्षेत्र पूरी तरह से व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में बहुमंजिला भवन, पर्यटकों के लिए होटल, रेस्टोरेंट, पेट्रोल पंप, विद्यालय और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। व्यापारियों का तर्क है कि इस भूमि के अधिग्रहण से भविष्य में जिले में बड़े निवेश और व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त जमीन उपलब्ध नहीं हो पाएगी।

व्यापारी राजू बनारसी,प्रकाश मिश्रा व महेश प्रसाद जायसवाल ने यह भी कहा कि चित्रकूट तेजी से पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यदि मुख्य मार्ग से लगी व्यावसायिक भूमि को आवासीय योजना में शामिल किया गया, तो नए उद्योग, होटल और अन्य निवेश प्रभावित होंगे। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सीमित हो जाएंगे।

छिनैती करने वाला आरोपी गिरफ्तार, नगदी मोबाइल जेवर बरामद

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। डीसीपी गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर जोन के थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा छिनैती से सम्बंधित वांछित अभियुक्त मुकेश पासी पुत्र भोले पासी निवासी पंकज नगर चौराहा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को गुरुवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत पंकज नगर चौराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वादी मुकदमा के साथ वाद-विवाद करते हुये मार-पीट की गयी तथा वादी मुकदमा का मोबाइल फोन, कुछ रुपए, सफेद धातु की चेन व साइकिल छीन कर भाग गये थे, जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-612/2025 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था । मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित पूर्व में 01 अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप सरोज, थाना हण्डिया . चौकी प्रभारी बरौत रामायण सिंह, का0 मनीष त्रिपाठी, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अपहरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

हंडिया । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर अपहरण के मुकदमा से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शादाब पुत्र मुस्लिम शाह उर्फ गुन्नी निवासी ग्राम श्रीपुर थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस द्वारा गुरुवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम श्रीपुर के बाहर स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । पीड़िता के बयान एवं साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-65(1) भा0न्या0सं0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप सरोज, थाना हण्डिया, उ0नि0 संजय कुमार मौर्या. उ0नि0 राजन पाल, थाना हण्डिया कमिश्नरेट।

भक्ति और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने आरती कर किया शुभारंभ

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आषाढ़ मास के पावन अवसर पर गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की भव्य रथयात्रा धार्मिक आस्था, उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच संपन्न हुई। सुबह से लेकर देर शाम तक हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और पूरा शहर "जय जगन्नाथ" के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दिव्य दर्शन किए, शाही खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया और अपने हाथों से रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

प्रातःकाल श्री जगन्नाथ धाम रासमंडल में भगवान के विग्रहों का षोडशोपचार पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच डॉ. रजनीकांत द्विवेदी के निर्देशन में संपन्न हुआ। मुख्य यजमान डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, सीए संजय गुप्ता और नीलिमा गुप्ता ने भगवान का पूजन-अर्चन एवं महाआरती की। इसके बाद भगवान को शाही खिचड़ी का भोग अर्पित किया गया और श्रद्धालुओं के लिए दर्शन के पट खोल दिए गए।

शाम करीब 5:30 बजे भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को भव्य एवं सुसज्जित रथ पर विराजमान कर ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह 'रानू' की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने भगवान की आरती उतारकर और नारियल फोड़कर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानप्रकाश सिंह विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य ट्रस्टी संतोष गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रथयात्रा रासमंडल से प्रारंभ होकर मानिक चौक, राजा फाटक, सुतहट्टी चौराहा, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, ओलंदगंज, नवदुर्गा शिव मंदिर, सद्भावना पुल और शाही किला होते हुए पुनः जगन्नाथ धाम पहुंची। पूरे मार्ग में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भगवान का रथ अपने हाथों से खींचा।यात्रा मार्ग पर व्यापार मंडल, बोल बम कांवरिया संघ, अनाज व्यापार मंडल, स्वर्णकार समाज सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने भगवान के रथ पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल एवं जलपान की भी व्यवस्था की गई। भजन-कीर्तन, संकीर्तन और आकर्षक झांकियां पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं।इससे पूर्व आषाढ़ कृष्ण अमावस्या के अवसर पर बुधवार को भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र और देवी सुभद्रा का पारंपरिक विधि-विधान से स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। डॉ. रजनीकांत द्विवेदी के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने धार्मिक परंपरा के अनुसार विग्रहों का परीक्षण किया। बताया गया कि स्नान पूर्णिमा के बाद परंपरा के अनुसार भगवान 15 दिनों तक अस्वस्थ माने जाते हैं और इस दौरान उन्हें औषधीय काढ़ों का भोग लगाया जाता है।

संपादकीय

महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र की कसौटी

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है।

लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग-अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है?

लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जनप्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

भारत में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है।

हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अक्सर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आँकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं।

महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक अनुभव पर आधारित है।

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल

योगेश कुमार गोयल

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को ह्यविश्व युवा कौशल दिवसह्ल मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और ह्यतकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षणह्ल (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं।

केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दशार्ता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है।

संरचनात्मक सुधारों से बदलती भारतीय रेल

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

भारतीय रेल केवल देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नहीं,बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति की सबसे मजबूत आधारशिला भी है।उद्योगों तक कच्चा माल पहुँचाने,किसानों की उपज को देश के विभिन्न भागों तक पहुँचाने,ऊर्जा क्षेत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को गतिशील बनाए रखने में भारतीय रेल की भूमिका केंद्रीय है।यही कारण है कि विकसित भारत की परिकल्पना में रेलवे का आधुनिकीकरण केवल नई ट्रेनों, अत्याधुनिक स्टेशनों और हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं तक सीमित नहीं रह सकता।वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब माल ढुलाई,लॉजिस्टिक्स,निर्माण प्रणाली,तकनीकी नवाचार और मानव संसाधन विकास जैसे क्षेत्रों में भी व्यापक और दूरदर्शी सुधार लागू किए जाएँ।इसी सोच को साकार करने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा घोषित सुधार क्रमांक 10 से 17 एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। ये सुधार केवल नियमों में परिवर्तन नहीं, बल्कि रेलवे की कार्यसंस्कृति, औद्योगिक भागीदारी और माल परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देने वाले नीतिगत निर्णय हैं।इनका उद्देश्य माल ढुलाई को अधिक सरल,कम लागत वाला,पर्यावरण- अनुकूल,तकनीक आधारित और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है।व्यापक दृष्टि से देखें तो ये सुधार भारतीय रेल को एक पारंपरिक परिवहन संस्था से आधुनिक,बहुआयामी और वैश्विक स्तर की लॉजिस्टिक्स प्रणाली में रूपांतरित करने की आधारशिला रखते हैं।इन सुधारों में सबसे महत्वपूर्ण पहल फ्लाई ऐश परिवहन से संबंधित है।देश के ताप विद्युत संयंत्र प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में फ्लाई ऐश का उत्पादन करते हैं,जिसका उपयोग सीमेंट उद्योग और आधारभूत संरचना निर्माण में व्यापक रूप से होता है।अब तक इसका अधिकांश परिवहन खुले वैगनों के माध्यम से किया जाता था,जिससे उड़ने वाली राख पर्यावरण प्रदूषण का कारण बनती थी।नई व्यवस्था के अंतर्गत फ्लाई ऐश को कंटेनरों के माध्यम से परिवहन करने पर बल दिया गया है।इससे प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी,सुरक्षित भंडारण संभव होगा तथा सीमेंट उद्योग ।आवश्यकता के अनुसार कंटेनरों का उपयोग कर सकेगा।यह परिवर्तन केवल परिवहन प्रणाली का सुधार नहीं,बल्कि हरित विकास और स्वच्छ औद्योगिक व्यवस्था की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।इसी क्रम में कंटेनर परिवहन क्षेत्र में किए गए सुधार भारतीय लॉजिस्टिक्स उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।पहले कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए अलग-अलग श्रेणियों की लाइसेंस व्यवस्था,भारी पंजीकरण शुल्क और जटिल नवीनीकरण प्रणाली निवेशकों के लिए चुनौती बनी हुई थी।नई नीति के अंतर्गत पूरे देश के लिए एकीकृत कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर लाइसेंस लागू किया गया है। पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया गया है तथा सफल संचालन के बाद लाइसेंस विस्तार शुल्क समाप्त कर दिया गया है।इससे निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा,प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और कंटेनर आधारित माल परिवहन अधिक लचीला तथा व्यवसाय-अनुकूल बन सकेगा उर्वरक परिवहन सुधार कृषि क्षेत्र की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारत में उर्वरकों की आपूर्ति का अधिकांश भार भारतीय रेल वहन करती है।नई नीति के अंतर्गत मालभाड़ा संरचना को सरल बनाकर प्रति टन प्रति किलोमीटर आधारित व्यवस्था लागू की गई है। साथ ही उर्वरकों को कंटेनरों में परिवहन की अनुमति देकर वितरण प्रणाली को अधिक लचीला बनाया गया है।इससे रैक की अनावश्यक प्रतीक्षा कम होगी,उर्वरकों का चरणबद्ध वितरण

संभव होगा और किसानों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इससे न केवल परिवहन लागत में कमी आएगी,बल्कि कृषि आपूर्ति श्रृंखला भी अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनेगी।रेलवे ने इन सुधारों के माध्यम से केवल माल परिवहन व्यवस्था पर ही ध्यान नहीं दिया है, बल्कि मानव संसाधन विकास को भी समान प्राथमिकता दी है।रेलवे परियोजनाएँ अत्यधिक तकनीकी, जटिल और सुरक्षा-संवेदनशील होती हैं।ऐसे में गुणवत्तापूर्ण निर्माण और सुरक्षित संचालन के लिए प्रशिक्षित एवं दक्ष मानव संसाधन अनिवार्य है।इसी उद्देश्य से कारीगरों के कौशल परीक्षण और प्रमाणन की नई नीति लागू की गई है।दफ कोड आधारित स्किल कार्ड, एकीकृत मूल्यांकन प्रणाली तथा राष्ट्रीय स्तर पर कौशल उन्नयन की व्यवस्था यह सुनिश्चित करेगी कि विशेष तकनीकी कार्य केवल प्रशिक्षित और प्रमाणित कारीगर ही करें।इससे रेलवे परियोजनाओं की गुणवत्ता, .सुरक्षा और समयबद्धता में उल्लेखनीय सुधार होगा,वहीं देश में कुशल कार्यबल के विकास को भी नई गति मिलेगी।निर्माण प्रणाली में किए गए सुधार भी भारतीय रेल की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव लाने वाले हैं। ठेकेदारों की पात्रता, अनुबंध प्रबंधन,बीमा व्यवस्था तथा भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया गया है।विशेष रूप से रेल भूमि (फ्र ईँझ्रुे) डिजिटल प्लेटफॉर्म भूमि अधिग्रहण की पारंपरिक कागजी प्रक्रिया को ऑनलाइन प्रणाली में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।इसके माध्यम से भूमि अधिग्रहण,मुआवजा वितरण, लंबित प्रकरणों तथा परियोजनाओं की प्रगति की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी।वर्षों से भूमि संबंधी विवादों के कारण विलंबित होने वाली अनेक परियोजनाओं को इससे नई गति मिलने की उम्मीद है।इन सुधारों का एक और महत्वपूर्ण पक्ष वैगन डिजाइन नीति में परिवर्तन है।अब तक माल वैगनों की डिजाइन प्रक्रिया मुख्यतः रेलवे के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन(आरडीएसओ) तक सीमित थी।इससे नवीन तकनीकों और उद्योग-विशिष्ट वैगनों के विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी रहती थी। नई नीति के अंतर्गत अब उद्योग और निमार्ता स्वयं आधुनिक वैगन डिजाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। परीक्षण,सुरक्षा प्रमाणन और सफल फील्ड ट्रायल के बाद ऐसे वैगनों को रेलवे नेटवर्क में शामिल किया जाएगा।इससे विशेष प्रकार के माल के लिए उपयुक्त वैगनों का विकास होगा, .नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और भारतीय वैगन निर्माण उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप आगे बढ़ सकेगा।इसी प्रकार पेट्रोलियम,तेल एवं स्नेहक (ढडछ) उत्पादों के परिवहन में किया गया सुधार ऊर्जा क्षेत्र के लिए दूरगामी महत्व रखता है।अब तक टैंक वैगनों का स्वामित्व मुख्यतः भारतीय रेल के पास था,जिससे तेल कंपनियों के पास परिचालन संबंधी विकल्प सीमित थे।नई व्यवस्था के अंतर्गत तेल कंपनियाँ स्वयं टैंक वैगन खरीद सकेंगी अथवा उन्हें लीज पर लेकर संचालित कर सकेंगी।साथ ही विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप नए डिजाइन के टैंक वैगनों को भी अनुमति दी गई है।इससे ऊर्जा क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला अधिक लचीली,सुरक्षित और आधुनिक बनेगी तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप परिवहन क्षमता विकसित हो सकेगी।खाद्यान्न,आटा और दालों के परिवहन में किया गया सुधार सीधे देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा हुआ है।अब इन वस्तुओं का परिवहन भी कंटेनरों के माध्यम से किया जा सकेगा।इससे खाद्यान्न की गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी,नमी और प्रदूषण से बचाव होगा तथा आवश्यकता के अनुसार विभिन्न स्थानों पर भंडारण और वितरण अधिक सुविधाजनक हो सकेगा। साथ ही जटिल मालभाड़ा प्रणाली को सरल बनाकर प्रति टन प्रति किलोमीटर आधारित व्यवस्था लागू करने से पारदर्शिता और परिचालन दक्षता दोनों में वृद्धि होगी।इन सुधारों को यदि प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो इनका महत्व और अधिक स्पष्ट हो जाता है।भारत लंबे समय से अपेक्षाकृत अधिक लॉजिस्टिक्स लागत की चुनौती का सामना करता रहा है।सड़क,रेल,बंदरगाह और औद्योगिक गलियारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना विकसित भारत की आर्थिक रणनीति का प्रमुख उद्देश्य है।कंटेनरीकरण, मालभाड़ा संरचना का सरलीकरण, भूमि अधिग्रहण का डिजिटलीकरण तथा निजी निवेश को प्रोत्साहन जैसे कदम भारतीय रेल को मल्टी- मॉडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का अधिक प्रभावी आधार बनाएँगे। इससे उद्योगों तक कच्चे माल की आपूर्ति तथा तैयार उत्पादों की समयबद्ध ढुलाई में उल्लेखनीय सुधार होगा।वैश्विक प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में किसी भी देश की आर्थिक शक्ति केवल उत्पादन क्षमता से नहीं,बल्कि उस उत्पादन को कम लागत और कम समय में बाजार तक पहुँचाने की दक्षता से भी निर्धारित होती है।भारतीय रेल के ये सुधार इसी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।आधुनिक वैगन डिजाइन,कंटेनर आधारित परिवहन,डिजिटल निर्माण प्रबंधन, कुशल मानव संसाधन तथा उद्योगों के अनुरूप नीतिगत लचीलापन भारतीय लॉजिस्टिक्स प्रणाली को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। इससे न केवल माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी,बल्कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ कर सकेगा।यदि इन सभी सुधारों का समग्र मूल्यांकन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि भारतीय रेल अब केवल एक परिवहन सेवा प्रदाता नहीं रहना चाहती,बल्कि स्वयं को एक आधुनिक,तकनीक-संचालित और विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।कंटेनरीकरण, डिजिटलीकरण,निजी क्षेत्र की भागीदारी,तकनीकी नवाचार, कौशल विकास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व–ये सभी पहल भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं । निस्संदेह,रेलवे सुधार 10 से 17 भारतीय रेल के परिवर्तनकारी सफर की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।ये केवल नीतिगत परिवर्तन नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारभूत संरचना को नई दिशा देने वाले दूरदर्शी निर्णय हैं।

.यदि इन सुधारों का क्रियान्वयन

खाने में मिलावट की समस्या से लड़ता भारत

विवेक शुक्ला

जरा कल्पना करो कि सुबह आप चाय में दूध डालते हो, लेकिन वो दूध पानी और कुछ केमिकल से मिला हुआ है। या फिर सब्जी मार्केट से लाई मिर्च पाउडर में सिंथेटिक कलर मिला है। अफसोस कि ये भारत में रोजमर्रा की हकीकत है। खाने के सामान में मिलावट आज देश की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। ये सिर्फ पैसे बचाने की लालच नहीं, बल्कि लाखों लोगों की सेहत से खिलवाड़ है।

भारत में खाने की मिलावट की जड़ें काफी गहरी हैं। एफएसएसएआई (खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण, भारत) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2026 में टेस्ट किए गए हर छह खाद्य नमूनों में से एक फेल हो गया। मतलब करीब 16-17 फीसदसैंपल स्टैंडर्ड पर खरे नहीं उतरे। दूध, घी, मसाले, पनीर, तेल, चाय पाउडर- ये सब आम टारगेट हैं।

महाराष्ट्र में हाल ही में एफडीए की रेड के दौरान ट्रक वाले दूध फेंकने लगे, क्योंकि उन्हें डर था कि मिलावटी पकड़ा जाएगा। शोलापुर में 37,000 लीटर से ज्यादा मिलावटी दूध जब्त और नष्ट किया गया। अब तक 359 गिरफ्तारियां, 235 एफआईआर और करोड़ों के सामान जब्त किए। दूध कलेक्शन 20-25% तक गिर गया, जो दिखाता है कि पहले कितना घोटाला चल रहा था।

दिल्ली-यूपी में पनीर की हालत और खराब है। 83 फीसद सैंपल फेल, 40 फीसद हानिकारक। पाम ऑयल, यूरिया और केमिकल मिलाकर बनाया जाता है फेक पनीर। मसालों में सिंथेटिक डाई, मछली में फॉर्मेलिन, घी में वनस्पति तेल आदि। लिस्ट लंबी है। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक, छोटे दुकानदार से लेकर बड़े सप्लाई चेन तक ये फैला हुआ है। गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है क्योंकि वे सस्ता सामान खरीदते हैं।

दिल्ली में नवरात्रि के समय सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंच गए मिलावटी आटा खाने से। पंजाब में घी और मिठाइयों की रेड में हजारों किलो सामान जब्त किया गया।

दुष्परिणाम क्या हैं?

खाने की मिलावट के नुकसान दो तरह के हैं। पहला- पेट दर्द, उल्टी, डायरिया, फूड पॉइजनिंग। लंबे समय में लीवर-किडनी डैमेज, कैंसर, हार्मोनल प्रॉब्लम, न्यूरोलॉजिकल जैसी समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनियाभर में मिलावटी खाने की चीजों से 60 करोड़ों लोग बीमार हो रहे हैं या जान गंवा रहे हैं। भारत में ये आंकड़े और भयावह हैं। सिंथेटिक कलर वाली मिर्च से पेट की बीमारियां बढ़ रही हैं। डिटर्जेंट मिले दूध से बच्चों का शारीरिक विकास प्रभावित कर रहा है और हड्डियों को कमजोर कर रहा है। दूसरा, लंबे समय तक इस तरह के खाद्य पदार्थों के सेवन से डायबिटीज और दिल की बीमारियां बढ़ रही हैं।

सरकार की कोशिशें

पर अब सरकार लड़ने के मूड में है। एफएसएसएआई यानी खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की तरफ से भारत नियमित सैंपलिंग, रेड, जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।ये भारत सरकार का वो मुख्य संगठन है जो पूरे देश में खाने-पीने की चीजों की सुरक्षा, गुणवत्ता और मानकों की देखभाल करता है। राज्यों में एफडीए, हेल्थ डिपार्टमेंट रेड कर रहे हैं। पेनल्टी, जेल और खराब समान को नष्ट किया जा रहा है। स्कूलों में फूड सेफ्टी एजुकेशन के अभियान चलाए जा रहे हैं। लेकिन चुनौतियां हैं। संसाधन कम हैं, ग्रामीण इलाकों में पहुंच मुश्किल है। पर प्रयास हो रहे हैं।

उदाहरण के रूप में दिल्ली-हरियाणा सीमा पर भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का संस्थान है नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट (निफ्टेम) । यहां खाद्य अनुसंधान और विश्लेषण केंद्रों में खाने की मिलावट डिटेक्शन, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता पर काम किया जा रहा हैं।

इधर रैपिड टेस्टिंग किट्स, एडवांस्ड एनालिसिस टेक्निक्स, खाद्य सुरक्षा मानकों पर अनुसंधान किया जाता है। प्रख्यात वैज्ञानिक और निफ्टेम के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय कहते हैं कि हम थोड़ा कम, ईट राइट के विचार को आगे लेकर जा रहे हैं। हमारे वैज्ञानिकों की टीम उद्योगों के साथ मिलकर नई तकनीकें विकसित और साझा करती है। मतलब, नई मशीनें और तरीके फैक्टरियों तक पहुंचा दिए जाते हैं। इसके अलावा वैज्ञानिक कई रिसर्च करके उन्हें किताबों और जर्नल में छापते हैं। इससे दूसरे लोग भी सीख पाते हैं। निफ्टेम नियमित ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाता है, जिसमें लोग खाने की सुरक्षा के बारे में सीखते हैं।

सीएफआरए यानी खाद्य अनुसंधान और विश्लेषण केंद्र में आधुनिक टेस्टिंग मशीनें लगी हैं। इनकी मदद से मिलावट बहुत जल्दी पकड़ी जा सकती है। पहले जहां दिन-दो दिन लग जाते थे, अब कुछ घंटों या मिनटों में रिपोर्ट आ जाती है। फोर्टिफिकेशन यानी खाने में अच्छे पोषक तत्व मिलाने का काम भी जोरों पर है। इससे खाना ज्यादा पौष्टिक बनता है और सुरक्षित भी रहता है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर निफ्टेम खास कार्यक्रम आयोजित करता है। इनमें सड़क के ठेले वाले विक्रेताओं को ट्रेनिंग दी जाती है। उन्हें साफ-सफाई, सही तरीके से खाना रखने और मिलावट न करने की जानकारी दी जाती है। डॉ ओबरॉय कहते हैं कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा पाते हैं। हमें भारत को एक इस तरह के देश के रूप में विकसित करना है, जहां खाने-पीने की वस्तुओं में कतई मिलावट ना हो।

श्रीजगन्नाथपुरी धाम और विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा

(अंजनी सक्सेना-विभूति फीचर्स)

भारत की पूर्व दिशा में, ओडिशा के समुद्र तट पर स्थित श्री श्री जगन्नाथपुरी धाम का महात्म्य अद्वितीय है। वर्तमान भव्य जगन्नाथ मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में, सन् 1147 से 1178 ई. के मध्य, पूर्वी गंग वंश के शासकों द्वारा कराया गया था। मान्यता है कि गंगवंश के राजा स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज मानते थे। लाल बलुआ पत्थर से बना यह मंदिर कलिंग स्थापत्य कला, वास्तुशिल्प और मूर्तिकला का बेजोड़ नमूना है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया की रथयात्रा और सातवें दिन मौसीबाड़ी से वापसी की बहुड़ा यात्रा विश्वभर में प्रसिद्ध है।

नीलमाधव से जगन्नाथ तक

सतयुग की कथा है कि अवंतिका नगरी के सूर्यवंशी राजा इंद्रद्युम्न परम विष्णुभक्त थे। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि वे अपने राज्य में भगवान विष्णु का एक विशाल और दिव्य मंदिर बनवाएं।

उन्हें ज्ञात हुआ कि नीलगिरि वन के नीलांचल पर्वत पर स्थानीय शबर जनजाति भगवान विष्णु के नीलमाधव नामक नीलवर्णी पाषाण विग्रह की पूजा करती है। कहा जाता है कि नीलमाधव के दर्शन मात्र से रोग, शोक और दरिद्रता दूर हो जाती थी।

राजा ने अपने कई मंत्रियों को विग्रह का पता लगाने भेजा, परंतु सभी असफल लौटे। अंत में ब्राह्मण विद्वान विद्यापति को यह कार्य सौंपा गया। विद्यापति नीलगिरि के घने जंगल में पहुंचे। वहां उनकी भेंट शबर राजा विश्ववसु की पुत्री ललिता से हुई। विद्यापति ने ललिता से विवाह किया और इस प्रकार विश्ववसु का विश्वास अर्जित किया। धीरे-धीरे उन्होंने नीलमाधव के गुप्त स्थान का रहस्य जान लिया और राजा इंद्रद्युम्न को सूचित किया।

जब राजा सेना सहित नीलांचल पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि नीलमाधव का विग्रह वहां से अंतर्धान हो चुका है। तब आकाश से देववाणी हुई- हे राजन, नीलमाधव अब तुम्हें इस रूप में प्राप्त नहीं होंगे। समुद्र तट पर, जहां बांकी नदी सागर से मिलती है, वहां एक दिव्य दारु-काष्ठ, अर्थात लकड़ी का लट्ठा तैरता हुआ आएगा। उसी से विग्रह का निर्माण कर मंदिर में स्थापित करो।

राजा को वह दारु-काष्ठ प्राप्त हो गया, परंतु उनके मन में बसा स्वरूप गढ़ने वाला कोई शिल्पी नहीं मिला। तब स्वयं विश्वकर्मा एक वृद्ध बढ़ई के वेश में आए और कहा, मैं 21 दिन में विग्रह बना दूंगा। शर्त यह है कि निर्माण कक्ष को कोई न खोले और कोई प्रश्न न पूछे।

वास्तविक सोचने की क्षमता को चुनौती दे रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

प्रदीप शर्मा

इतिहास गवाह है कि जब भी किसी नये उपकरण का आविष्कार हुआ, उसने मानव श्रम को आसान बनाया. पहिये ने हमारे पैरों की थकान हरी, भाप के इंजनों ने बाहुबल की निर्भरता को अप्रासंगिक किया और कंप्यूटर ने जटिल गणनाओं को पलक झपकते ही संभव बना दिया. पर, इन तमाम युगांतकारी परिवर्तनों के बीच मनुष्य का मस्तिष्क अक्षुण्ण और सुरक्षित था. सोचना, मौलिक जिज्ञासा करना, संदेह प्रकट करना और वैचारिक अंतर्विरोधों से जूझना केवल और केवल मनुष्य का विशेषाधिकार रहा. पर आज इतिहास में पहली बार हम एक ऐसे मोड़ पर आ खड़े हुए हैं, जहां तकनीक हमारे इसी सर्वोच्च विशेषाधिकार यानी सोचने की क्षमता को चुनौती दे रही है.

आज चैटजीपीटी, जेमिनी, क्लॉड और डीपसीक जैसे एआइ प्लेटफॉर्म केवल पारंपरिक सर्च इंजनों की तरह सूचनाएं एकत्र नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे मानव मस्तिष्क की नकल करते हुए निबंध लिख रहे हैं, जटिल शोध-पत्र तैयार कर रहे हैं, कविताएं रच रहे हैं और सॉफ्टवेयर के कोड लिख रहे हैं. एकेडमिक और बौद्धिक जगत में इसका असर साफ दिखने लगा है. आज शोध का पहला चरण प्रॉम्प्ट लिखना हो गया है और अंतिम चरण कॉपी-पेस्ट करना. इस कारण बौद्धिक परिपक्वता का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है. एमआइटी मीडिया लैब की एक हालिया जांच में पाया गया कि जो छात्र अपने एकेडमिक कार्यों के लिए चैटजीपीटी जैसे एआइ टूल्स पर अत्यधिक निर्भर थे, उनके इइजी माप में मस्तिष्क की सक्रियता काफी कम दर्ज की गयी. तर्क-वितर्क करने की गुणवत्ता भी बेहद निम्न स्तर की पायी गयी.

इसी तरह, गार्लिक द्वारा 2025 में 17 से 25 वर्ष के 666 युवाओं पर किये गये एक व्यापक अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि एआइ पर निर्भरता के कारण युवाओं के क्रिटिकल थिंकिंग स्कोर में उल्लेखनीय गिरावट आयी है. इस डिजिटल शॉर्टकट ने साहित्यिक चोरी (प्लेगरिज्म) को भी एक नया, परिष्कृत और अदृश्य चेहरा दे दिया है. आज बड़े भाषा मॉडल इंटरनेट पर मौजूद अरबों स्त्रोतों से सामग्री उठाते हैं और उसे इस तरह से पुनर्गठित करते हैं कि मौजूदा प्लेगरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर भी कई बार चकमा खा जाते हैं. परिणामतः, हम एक ऐसी बौद्धिक पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं जो तात्कालिक उत्तर देने में तो माहिर है, लेकिन उसमें नये प्रश्नों को जन्म देने की क्षमता समाप्त हो रही है. इससे भी बड़ा संकट यह है कि जब एआइ को किसी प्रश्न का सही उत्तर नहीं पता होता, तो वह अपनी प्रोग्रामिंग के आधार पर मनगढ़ंत तथ्य और आंकड़े तैयार कर देता है. इतिहास में पहली बार ऐसा दौर आया है जब गलत और भ्रामक सूचनाएं इतनी सुगठित, व्याकरण सम्मत और आश्वस्त करने वाली भाषा में प्रस्तुत की जा रही हैं कि वे सच से भी ज्यादा सच दिखने लगी हैं. यह केवल तकनीकी खामी नहीं है, लोकतंत्र, न्यायपालिका, चिकित्सा और पत्रकारिता जैसे स्तंभों के लिए गंभीर अस्तित्वपरक संकट है. हमें इस भ्रम से भी बाहर निकलना होगा कि एल्गोरिदम पूरी तरह से निष्पक्ष और तटस्थ होते हैं. मशीनें अंततः वही सीखती हैं जो मनुष्य उन्हें सिखाता है. यहां सबसे बड़ा प्रश्न नैतिक जवाबदेही का है. यदि किसी एआइ जनित गलत चिकित्सा सलाह से किसी मरीज की जान चली जाये, या मशीन की त्रुटि के कारण अदालत में कोई निर्दोष दोषी सिद्ध हो जाये, तो कटघरे में किसे खड़ा किया जायेगा?

इस आभासी दुनिया का एक और स्याह पहलू है. इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में ही दुनियाभर के डाटा सेंटरों ने वैश्विक बिजली का 1.5 प्रतिशत (लगभग 415 टेरावॉट-ऑवर) हिस्सा डकार लिया. अनुमान है कि 2030 तक यह खपत बढ़कर 945 टेरावॉट-ऑवर हो जायेगी. संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय की 2026 की हालिया चेतावनी की मानें, तो एआइ सर्वरों और सुपरकंप्यूटरों को ठंडा रखने के लिए होने वाली पानी की खपत 2030 तक 1.3 अरब लोगों की घरेलू पानी की जरूरत के बराबर हो जायेगी और उसका कार्बन उत्सर्जन अर्जेंटीना जैसे बड़े देश के कुल उत्सर्जन को पार कर जायेगा. इस वैश्विक संकट को देखते हुए दुनिया के अग्रणी देशों ने संभलना शुरू कर दिया है. चीन ने अपनी प्राथमिक कक्षाओं में जेनरेटिव एआइ के स्वतंत्र उपयोग पर कड़ा अंकुश लगाया है. वहीं अमेरिका ने प्रतिबंध के बजाय एआइ साक्षरता का मार्ग चुना है. भारत में भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एआइ के अनधिकृत उपयोग को अकादमिक कदाचार की श्रेणी में शामिल किया है. हालांकि, भारतीय संदर्भ में एक व्यावहारिक उलझन यह भी आ रही है कि कई बार एआइ डिटेक्टर सॉफ्टवेयर छात्रों के मौलिक लेखन को भी मशीन जनित घोषित कर देते हैं. इसलिए, भारत को केवल सॉफ्टवेयर पर निर्भर रहने के बजाय वाइवा, विशेषज्ञ समीक्षा और पारदर्शी प्रकटीकरण की नीतियों को समान महत्व देना होगा. एआइ हमारी भाषा सुधार सकता है, शुरूआती मसौदा तैयार कर सकता है और विशाल डाटा को व्यवस्थित कर सकता है, पर संवेदनशीलता, अनुभव, नैतिक विवेक, अंतरात्मा की आवाज और मौलिक चिंतन आज भी केवल मनुष्य की ही थाती हैं. हमें एआइ के साथ सोचना सीखना होगा, न कि एआइ द्वारा सोचा जाना स्वीकार करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य लेकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर किया : केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी।
वाराणसी में सिगरा स्थित रुद्राक्ष सेंटर में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को वीबी- जीरामजी पर आयोजित पंच सम्मेलन में देशभर से आए हुए ग्राम सभा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम सभा को विकसित करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना है। किसान को मजबूत करना है। जब लक्ष्य बनाते हैं तब ही उसे प्राप्त करते हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य लिया और अभी तक 25 करोड लोगों को गरीबी रेखा से बाहर कर दिया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भी झोपड़ी मुक्त बनाने का लक्ष्य हम लोगों ने लिया है। इसमें प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन हम लोगों को मिल रहा है। मैं एक गरीब परिवार से आकर के राजनीति में पिछले नौ वर्षों से

उपमुख्यमंत्री हूं। मैं जानता हूं कि गरीबों के लिए उपचार कराना कितना कठिन था। पहले लोग अस्पतालों में उपचार नहीं करा पाते थे। या कर्जे में डूब जाते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्मान भारत योजना दिया। इससे आज हर गरीब अस्पताल में उपचार कर लेने की स्थिति में है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम प्रधान लोगों से कहूंगा कि आप आप गांवों के ग्राम प्रधान हैं तो उन गांव में इतना कार्य कीजिए की भविष्य में आप जिसके ऊपर अंगुली रखें वही ग्राम प्रधान बने। प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब और असहाय लोगों के लिए इतनी परियोजनाएं दी हैं, जिससे उनकी गरीबी समाप्त हो जाए। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए परियोजनाएं आई और आज महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी है। ग्राम सभा स्तर पर भी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य होना चाहिए। यहां सभा स्थल पर आए सभी प्रधान गण लोगों को मैं कहूंगा कि अपने क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाएं। सशक्त भारत और सशक्त उत्तर प्रदेश तभी बनेगा जब सशक्त ग्राम सभा बनेगी। आने वाले समय में ग्राम सभा में वेतन देने का संकट दूर हो जाएगा। आप सभी लोग संकल्प लेकर जाइए कि गांव को इतना मजबूत कर देंगे कि विकसित भारत गांव से शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि वीबी- जीरामजी परियोजना में गांव-गांव तक विकसित वातावरण बनाने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। डबल इंजन की सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। प्रधान स्तर पर आप मेहनत करिए, हम आपका साथ देंगे। मैं उत्तर प्रदेश की बात नहीं कर रहा हूं, पूरा उत्तर भारत पीछे नहीं रहना चाहिए, यह संकल्प लेकर जाइए।

यूपी पुलिस की हाईटेक तैयारी: 'वढ-112' को और असरदार बनाने के लिए नोडल अफसरों की विशेष ट्रेनिंग पूरी, अब और घटेगा रिस्पॉन्स टाइम

लखनऊ :
उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेशवासियों की सुरक्षा और आपातकालीन आपात स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने वाली सेवा 'यूपी-112' (UP-112) को और अधिक चुस्त-दुरुस्त व हाईटेक बनाने में जुटी है. इसी कड़ी में, लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित किया गया नोडल अधिकारियों का चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है . इस गहन प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन कॉल्स पर पुलिस के 'रिस्पॉन्स टाइम' (घटनास्थल पर पहुंचने का समय) को न्यूनतम करना और आधुनिक तकनीक के जरिए संकट में फंसे नागरिकों को तत्काल राहत पहुंचाना है.आधुनिकतम तकनीक और क्राइसिस मैनेजमेंट पर रहा मुख्य फोकसइस चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से आए यूपी-112 के नोडल अधिकारियों, कप्तानों और तकनीकी विंग के प्रभारियों ने हिस्सा लिया.

ट्रेनिंग के दौरान अधिकारियों को निम्नलिखित मुख्य विषयों पर प्रशिक्षित किया गयाः

एडवांस्ड जीपीएस और रूट ऑप्टिमाइजेशनः
पीआरवी (पुलिस रिस्पॉन्स व्हीकल) को घटनास्थल तक सबसे छोटे और ट्रैफिक-मुक्त रास्ते से भेजने के लिए नए सॉफ्टवेयर और जीपीएस (GPS) ट्रैकिंग सिस्टम की बारीकियों को सिखाया गया.

डाटा एनालिसिस और हॉटस्पॉट मैपिंगः
पिछले कुछ वर्षों के क्राइम डाटा का विश्लेषण कर हर जिले के 'क्राइम हॉटस्पॉट्स' (संवेदनशील इलाके) की मैपिंग करना सिखाया गया, ताकि पीआरवी वाहनों की तैनाती रणनीतिक रूप से की जा सके.

कॉल ड्रॉप और क्विक डिस्पैचः
आपातकालीन कॉल आते ही बिना किसी देरी के, कम से कम समय में संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस और पीआरवी को अलर्ट भेजने की नई तकनीक का लाइव डेमो और अभ्यास कराया गया.

उपमुख्यमंत्री की सख़्ती के बाद नर्सिंग होम संचालक गिरफ्तार, आईएमए ने किया विरोध

रायबरेली।
उत्तर प्रदेश के रायबरेली में इलाज के दौरान बालिका की मौत के मामले में पुलिस ने बुधवार देर रात शाश्वत नर्सिंग होम संचालक डॉ. अमित सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मामले में नामजद एक अन्य नर्सिंग होम संचालक समेत चार आरोपियों की तलाश और तेज हो गई है ।उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की सख़्ती के बाद पुलिस की इस कार्यवाही का इंडियन मेडिकल एसोशिएशन ने विरोध किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रतापगढ़ जिले के पूरे बोधी अगई लालगंज अझारा निवासी शरद कुमार सिंह की 10 वर्षीय बेटी शिवानी की गत दिनों शहर के शाश्वत नर्सिंग होम में टॉन्सिल के ऑपरेशन के दौरान हालत बिगड़ गई और कुछ दिन बाद उसकी मौत भी हो गई थी।

पिता की तहरीर पर वेदांता नर्सिंग होम के संचालक डॉ. निशांत सिंह, शाश्वत नर्सिंग होम के संचालक डॉ. अमित सिंह और शाश्वत नर्सिंग होम के अन्य तीन स्टाफ के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की एफआईआर दर्ज कराई गई थी। बाद में पुलिस की तरफ से मामले में इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट की धारा की बढ़ोतरी की गई थी। मामला तूल पकड़ा था। इसकी शिकायत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से की गई थी ।उपमुख्यमंत्री की सख्ती पर स्वास्थ्य विभाग जांच कर रहा था। हालांकि शासन के संज्ञान लेने पर देर रात डॉक्टर को गिरफ़्तार कर लिया गया। जिसका आईएमए ने विरोध करते हुए पुलिस पर तानाशाही का आरोप लगाया है। आईएमए के अध्यक्ष डॉ संजीव जायसवाल ने कहा कि जब मामला कोर्ट में है और जांच चल रही है तो गिरफ्तारी की क्या जरूरत, इस तानाशाही रवैये का विरोध किया जाएगा।

हाईकोर्ट में नाबालिग के साथ गैंग-रेप के 47 साल बाद दोषी ठहराए जाने का फैसला बरकरार

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को 1979 के नाबालिग के साथ गैंग-रेप के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने का फैसला बरकरार रखा, लेकिन उसकी मुख्य सजा को 7.5 साल से घटाकर 4 साल की कठोर कारावास कर दिया।

जस्टिस संतोष राय की बेंच ने आपराधिक अपील के 43 साल से लंबित रहने और जीवित दोषी की उम्र (71 साल) को ध्यान में रखते हुए सजा में बदलाव किया। इसके

साथ ही कोर्ट ने आरोपी-अपीलकर्ता द्वारा दायर आपराधिक अपील को आंशिक रूप से मंजूरी दे दी। उसे सरेंडर करने और बाकी बची सजा काटने का निर्देश दिया गया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 1979 की रात को नाबालिग पीड़िता (उम्र 15 से 17 साल के बीच) का गाँव के ही तीन लोगों - काली चरण, राम लाल और राम स्वरूप (हाईकोर्ट में अपीलकर्ता) - ने चाकू की नोक पर जबरदस्ती अपहरण कर लिया। उसे ट्रेन से शाहजहाँपुर होते हुए तिलहर के एक खाली घर में ले जाया गया, जहाँ उसे एक हफ़्ते तक बंधक बनाकर रखा गया और बार-बार गैंग-रेप किया गया। इसके बाद उसे एक मेला दिखाने के लिए बिल्संडा लाया गया, जहां 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 1979 की रात को एक सब-इंस्पेक्टर ने उसे बचाया। इसके बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई।

1983 में पीलीभीत की असिस्टेंट सेशंस जज की कोर्ट ने तीनों को दोषी पाया और उन्हें अधिकतम साढ़े सात साल की सजा सुनाई। दोषियों ने 1983 में हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती दी। अपील लंबित रहने के दौरान, सह-अपीलकर्ता काली चरण और राम लाल की मौत हो गई और 2022 में उनके मामले में अपील खत्म हो गई। यह मामला सिर्फ अपीलकर्ता राम स्वरूप के लिए बचा रहा, जो ट्रायल के समय 27 साल के थे और अब 71 साल के हैं। उच्च न्यायालय के सामने अपीलकर्ता कालीचरण के वकील ने दोषसिद्धि के सवाल पर अपील को आगे नहीं बढ़ाया और अपनी बात सिर्फ. सजा के सवाल तक सीमित रखी।

प्रयागराज समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक और बारिश का अलर्ट, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

प्रयागराज।
आगामी कुछ घंटों के दौरान प्रयागराज सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश की संभावना है। यह पूवार्नुमान गुरुवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ ने चेतावनी जारी की है।

प्रयागराज सहित कुछ स्थानों पर 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि रायबरेली, अमेठी, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई और सीतापुर में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के जारी अलर्ट के मुताबिक प्रयागराज, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, जौनपुर, गाजीपुर, भदोही समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।

मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने और अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में जाने से बचने की अपील की है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस. एन. सुनील पांडेय ने बताया कि मानसूनी गतिविधियां फिलहाल सक्रिय बनी हुई हैं, जिसके चलते पूर्वी एवं मध्य उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में रुक-रुक कर वर्षा, तेज हवाएं और गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है।

उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे मौसम पूवार्नुमान को देखते हुए खेतों में सिंचाई, उर्वरक एवं कीटनाशक का छिड़काव फिलहाल टाल दें। बिजली चमकने के दौरान पेड़ों के नीचे या खुले खेतों में न रुकें तथा पशुओं को भी सुरक्षित स्थान पर रखें।

डॉ. पांडेय ने कहा कि लगातार बदलते मौसम को देखते हुए किसान और आमजन मौसम विभाग की ताजा चेतावनियों पर नजर रखें और आवश्यक सावधानी बरतें।

बेटे ने जमीनी विवाद में पिता पर बरसाई गोलियां, मौत,

शराब के नशे में दिया वारदात को अंजाम

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में बुधवार की देर रात 12 बजे के करीब बड़े बेटे ने जमीन विवाद में अपने पिता के ऊपर ताबड़तोड़ गोली चला दी। पिता को चार गोली लगी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। आरोपी पिस्टल लेकर फरार हो गया। हत्या से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्यारोपी बेटे की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 4 टीमें लगाईं हैं, उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। खबर लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बतााया कि शराब के नशे में युवक ने जमीनी विवाद में पिता की हत्या की है।

सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र के बुदाना गांव निवासी हरिओम चौधरी (55 वर्ष) की गिनती क्षेत्र के सम्मानित किसानों में थी। उनके नाम पर मोदीनगर के पास 75 बीघा जमीन है, जबकि मोदीनगर में दिल्ली- मेरठ रोड पर जीवन अस्पताल के सामने मार्केट है। हरिओम के परिवार में पत्नी अनिता, बड़ा बेटा निखिल नेहरा और छोटा बेटा नीशू है।

एसीपी ने बताया कि बड़ा बेटा निखिल शराब पीने का आदी है, इसी को लेकर पिता उसे डांटते थे। बड़े बेटे को मार्केट में दुकानें और 25 बीघा जमीन भी दे रखी थी। लेकिन बेटा अपने हिस्से की जमीन अपने नाम कराना चाहता था, इस पर पिता कहते थे कि तू इस जमीन को भी शराब और अपने शौक में बेचकर खा जाएगा।

मृतक हरिओम चौधरी ने बुधवार की रात में अपनी पत्नी और छोटे बेटे के साथ खाना खाया था, उस समय बड़ा बेटा घर पर नहीं था। वह देर रात को शराब पीकर घर आया ।

बेकाबू ट्रक घर के बाहर सो रहे लोगों पर चढ़ा, तीन की मौत

दो घायल, रात तीन बजे हुए हादसे से कुदारन गांव में मचा कोहराम

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर स्थित कुदारन गांव में बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में घर के बाहर सो रहे तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब तीन बजे वाराणसी से सोनभद्र की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे घर के बाहर सो रहे लोगों पर चढ़ गया।

युवक पर जानलेवा हमला कर दोनों हाथ काटने के मामले दो गिरफ्तार

महोबा।
यूपी के महोबा जनपद मुख्यालय में एक पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने आए युवक पर पुरानी रंजिश को लेकर जानलेवा हमला कर दोनों हाथ काटकर मरणासन्न करने के मामले में दर्ज अभियोग में नामजद दो आरोपितों को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। भाजपा नेता समेत शेष अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस के द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। वहीं घटना में घायल जयवेंद्र सिंह उर्फ विक्की ठाकुर का दिल्ली में उपचार चल रहा है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

जनपद मुख्यालय से गुजरे कानपुर- सागर राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित एक पेट्रोल पंप पर मंगलवार की देर रात दबंगों ने तेल डलवाने पहुंचे मुख्यालय निवासी जयवेंद्र सिंह उर्फ विक्की ठाकुर को घेरकर धारदार हथियार कुल्हाड़ी से जानलेवा नृशंस हमला कर दिया। हमलावरों ने निर्दयता दिखाते हुए घायल युवक के दोनों हाथ काट दिए थे। जबकि उसके पैरों और सिर में भी गंभीर चोटें आईं थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। सनसनीखेज घटना से इलाके में सनसनी और दहशत एवं भय का माहौल बन गया।

घायल के पिता बाबूसिंह की तहरीर पर पुलिस ने भाजपा नेता शिवप्रताप सिंह परमार, रोहित बेड़िया , राहुल बेड़िया और दो अज्ञात समेत पांच पर बलवा, जानलेवा हमला सहित अन्य संगीन धाराओं में केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की।

गुरुवार को मनीष कुमार पांडेय ने बताया कि जानलेवा हमले के मामले में वांछित अभियुक्त जनपद मुख्यालय के समद नगर निवासी नादिर पुत्र असलम उर्फ शमां टेलर को बुधवार की रात गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

एक अभियुक्त रोहित को वारदात की रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था। अन्य हमलावरों की तलाश में पुलिस टीमों के द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

जमीनी विवाद में युवक को मारी गोली, गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अछल्दा थाना क्षेत्र के भीखेपुर गांव में बुधवार देर शाम जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। घर के बाहर बैठे एक युवक को गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, घायल की पहचान राजीव कुमार (28) के रूप में हुई है। वह बुधवार शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान जमीनी विवाद को लेकर

हुए विवाद में आरोपित ने उन पर गोली चला दी, जो उन्हें जा लगी। गोली लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। उपनिरीक्षक राशिद खान घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विवाद पारिवारिक जमीन को लेकर चल रहा था। बताया गया कि राजीव के पिता अजब सिंह और उनके भाई मुलायम सिंह व ध्रुव सिंह तीन सगे भाई थे। ध्रुव सिंह अविवाहित थे और उनका अगस्त 2025 में निधन हो गया था। उनकी संपत्ति वसीयत के आधार पर दोनों भाइयों के नाम दर्ज हो गई थी। हालांकि, ध्रुव सिंह के एक भतीजे द्वारा उक्त जमीन पर खेती किए जाने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था, जो बुधवार को हिंसक रूप ले बैठा।

घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी बिधूना पी. पुनीत मिश्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायल से घटना की जानकारी ली। चिकित्सक डॉ. ललित मोहन ने प्राथमिक उपचार के बाद राजीव की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिरा, करंट से पांच लोग झुलसे

नोएडा।
नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के छिजारसी में बुधवार की देर शाम हाईटेंशन बिजली लाइन का तार टूटकर सड़क पर गिरा। इस दौरान करंट की चपेट में आने से पांच लोग झुलस गए, जबकि एक स्कूटी में आग लग गई। झुलसे लोगों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर है।

अपर पुलिस उपायुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-63 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 11 हजार केवी बिजली लाइन का तार अचानक टूटकर नीचे गिर गया था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे लोग करंट की चपेट में आ गए। हादसे में स्कूटी भी आग लग गई ।

झुलसे लोगों की पहचान निधि (15), प्रिया (17), मुकेश राम (38), पवित्र (41) और रवि चौधरी के रूप में हुई है। इनमें रवि चौधरी गंभीर रूप से झुलसे हैं, जबकि अन्य चार घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर है।

निजी क्लीनिक संचालकों पर एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा, दलित परिवार ने लगाए मारपीट व छेड़छाड़ के आरोप

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में कोतवाली क्षेत्र के आर्यनगर निवासी एक दलित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने फिरोजनगर स्थित एक निजी क्लीनिक के संचालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में नाबालिग बच्चों से जबरन सफाई कार्य कराने, विरोध करने पर मारपीट, जातिसूचक गालियां देने,

महिला से छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं।

आर्यनगर निवासी राजवीर सिंह पुत्र हरीकृष्ण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह वाल्मीकि समाज से हैं। उनका आरोप है कि फिरोजनगर निवासी पप्पू पाण्डेय, विनोद पाण्डेय, गुड्डू पाण्डेय तथा अन्य लोग उनके भाई राज, स्वयं राजवीर और चाचा के नाबालिग पुत्र अंश व कृष्ण से अपने क्लीनिक में झाड़ू-पोछा, शौचालय की सफाई सहित अन्य कार्य कराते थे। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट और जातिसूचक गालियां दी जाती थीं।

शिकायत के अनुसार, 15 जुलाई की शाम को क्लीनिक बुलाया गया, जहां चारपाई छूने की बात को लेकर उसके साथ मारपीट की गई। बीच-बचाव करने पहुंचे राजवीर पर कैंची से हमला कर घायल कर दिया गया। आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने पर क्लीनिक पहुंची जयलक्ष्मी के साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ की गई। विरोध करने पर आरोपितों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने देर रात भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। वहीं, क्षेत्राधिकारी सिटी शैलेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि अजीतमल तिराहे पर स्थित पाण्डेय क्लीनिक में राज नाम का युवक कार्य करता था। उसका बड़ा भाई राजवीर उसके वहां काम करने के पक्ष में नहीं था। इसी बात को लेकर राजवीर क्लीनिक पहुंचा, जहां कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। उन्होंने बताया कि घायल का चिकित्सीय परीक्षण करा लिया गया है तथा सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमी आई, जिससे निवेशकों का रुझान कुछ हद तक कमजोर होता दिखाई दिया। एमसीएक्स पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,109 रुपये तक टूट गया, जबकि चांदी के सितंबर अनुबंध में 1,263 रुपये की गिरावट आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अगस्त अनुबंध ने कारोबार की शुरुआत 1,109 रुपय की बड़ी गिरावट के साथ 1,41,148 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर की। इसका पिछला बंद भाव 1,42,257 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था।

वहीं इसी प्रकार चांदी के सितंबर अनुबंध में भी कमजोर आई है। यह 1,263 रुपये की गिरावट के साथ 2,21,926 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,23,189 था। कारोबार के दौरान यह 729 की कमी के साथ 2,22,460 पर पहुंच गया। इस अवधि में चांदी ने 2,22,497 का उच्चतम और 2,21,064 का न्यूनतम स्तर छुआ। चांदी का इस साल का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,059.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,069.70 डॉलर प्रति औंस से कम था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर हासिल किया था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.04 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जबकि पिछला बंद भाव 59.10 डॉलर था। यह 0.34 डॉलर की गिरावट के साथ 58.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी का इस साल का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली, ।

देश में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 12,73,811 इकाई रही। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया तनाव से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10,11,884 इकाई रही। इससे पहले 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड करीब 10.3 लाख इकाई की बिक्री दर्ज की गई थी। सियाम के मुताबिक पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 20.3 फीसदी बढ़कर 56,28,675 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 46,77,990 इकाई थी। संगठन ने कहा कि तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी पहली तिमाही में अब तक के उच्चतम स्तर 2,14,339 इकाई पर पहुंच गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 1,65,211 इकाई की तुलना में 29.7 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी सर्वाधिक 2.65 लाख इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 18.3 फीसदी ज्यादा है।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज बढ़कर 390 करोड़, पहली तिमाही में बिक्रि बुकिंग 25 प्रतिशत घटी

मुंबई ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अपने शुद्ध कर्ज में वृद्धि और बिक्री बुकिंग में गिरावट दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध कर्ज मार्च 2026 के अंत के 200 करोड़ से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 390 करोड़ हो गया है। इस अवधि में, कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 प्रतिशत घटकर 1,970 करोड़ रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,640 करोड़ रुपए थी।कंपनी ने बताया कि बिक्री बुकिंग में यह गिरावट मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा में कमी के कारण हुई है। समीक्षाधीन तिमाही में सिग्नेचर ग्लोबल ने मात्र 226 इकाइयों की बिक्री की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 778 थी। क्षेत्रफल के लिहाज से भी, कंपनी ने 7.2 लाख वर्ग फुट की बिक्री की, जो पिछले साल के 16.2 लाख वर्ग फुट से काफी कम है।हालांकि, कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति पर जोर देकर बताया कि 30 जून, 2026 तक उसके पास 2,522 करोड़ रुपए की नकदी और बैंक जमा थे। यह राशि भविष्य की वृद्धि और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्त उपलब्ध कराती है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 8,250 करोड़ रुपए की संपत्तियों की बिक्री की थी और बिक्री बुकिंग के आधार

पर सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों में पांचवें स्थान पर रही थी। अप्रैल में, कंपनी ने इटली के लाइफस्टाइल ब्रांड टोनिनो लैम्बॉर्गिनी के साथ गुरुग्राम में करीब 2,900 करोड़ रुपए के निवेश से एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी भी की है।

एसबीआई फंड आईपीओ दूसरे दिन 78 फीसदी सब्सक्राइब, 21 को हो सकती है लिस्टिंग?

नई दिल्ली, ।

एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट आईपीओ का बुधवार को दूसरा दिन है। सुबह 10ः04 बजे तक आईपीओ 78 फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक रिटेल निवेशकों का हिस्सा 72 फीसदी, पात्र खरीदार का हिस्सा 8 फीसदी और गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 161 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। अभी तक सबसे बोली एनआईआई ने लगाई है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल करीब 15फीसदी चल रहा है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 545 रुपए से 574 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह 9,813 करोड़ रुपए का आईपीओ है, जिसे पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया गया है। इसमें कंपनी के प्रमोटर भारतीय स्टेट बैंक और अम्यून्दी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओएफएस में 17.09 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री होगी। आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद होगा।

टेक महिंद्रा के नतीजों पर बाजार की नजर- मुनाफे में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की उम्मीद

आज होगा ऐलान

मुंबई, ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टेक महिंद्रा वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे 16 जुलाई को जारी करेगी। बाजार विश्लेषकों और ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि कंपनी तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है, जिसमें मुनाफे (पीटीए) में 40 प्रतिशत से अधिक की सालाना बढ़ोतरी और राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि प्रमुख है। इन नतीजों पर निवेशकों और बाजार की गहरी नजर, खासकर जब इसी दिन आईटी क्षेत्र की एक और प्रमुख कंपनी विप्रो भी अपने आंकड़े जारी करेगी।हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आईटी सेक्टर के लिए मौजूदा कारोबारी माहौल पूरी तरह से अनुकूल नहीं है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और बड़े सौदों (डील्स) को अंतिम रूप देने में होने वाली देरी जैसी चुनौतियां अभी भी उद्योग पर संकट पैदा कर रही हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि टेक महिंद्रा को बड़े डील्स से महत्वपूर्ण ग्रोथ मिलेगी। फर्म के अनुसार, कंपनी के सीईओ मोहित जोशी के नेतृत्व में परिचालन दक्षता में सुधार देखा गया है।

अमेरिकी महंगाई घटने के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे आया

फेड ने कहा- अगला फैसला आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा

नई दिल्ली, ।

अमेरिका में डॉलर इंडेक्स दूसरे दिन भी कमजोर रहा और 101 के स्तर से नीचे फिसल गया। जून में महंगाई के नरम पड़ने से निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व फिलहाल ब्याज दरों में जल्दबाजी नहीं करेगा। हालांकि फेड ने साफ कर दिया है कि उसका अगला फैसला केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर होगा, किसी राजनीतिक दबाव के आधार पर नहीं। अमेरिका में जून 2026 में सालाना महंगाई दर घटकर 3.5 फीसदी रह गई, जबकि मई में यह 4.2 फीसदी थी। यह आंकड़ा बाजार के 3.8 फीसदी के अनुमान से भी बेहतर रहा।वहीं मासिक आधार पर उपभोक्ता कीमतों में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। साल 2020 के बाद यह पहला मौका है जब एक महीने में उपभोक्ता कीमतों में गिरावट आई है। महंगाई के नरम आंकड़ों के बाद डॉलर इंडेक्स 101 के नीचे चल गया। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्रीय बैंक का काम महंगाई को नियंत्रित करना और कीमतों में स्थिरता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि फेड अपने फैसले केवल आर्थिक आंकड़ों के आधार पर लेगा और किसी तरह के राजनीतिक दबाव में काम नहीं करेगा। वार्श ने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उन पर दबाव डालते हैं तो भी वह अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने दोहराया कि फेड की स्वतंत्रता सर्वोच्च है और उसकी विश्वसनीयता इस पर टिकी है।सुनवाई में चेयरमैन से पूछा कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ब्याज दरें घटाने के लिए दबाव बनाते हैं तो वह क्या करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि फेड के बाहर राजनीति हो सकती है, लेकिन केंद्रीय बैंक के अंदर राजनीति की कोई जगह नहीं है। उनका लक्ष्य महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक वापस लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एक महीने के महंगाई के आंकड़ों को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि महंगाई की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। फेड चेयर ने संकेत दिया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी महंगाई को फिर बढ़ा सकती है। ऐसे में फेड आगे भी हर आर्थिक आंकड़े पर नजर रखेगा और उसी के आधार पर ब्याज दरों पर फैसला करेगा।महंगाई के ताजा आंकड़ों के बाद बाजार को अब जुलाई की 28 से 29 जुलाई की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना काफी कम नजर आ रही है। निवेशकों के मुताबिक जुलाई में दरें बढ़ने की संभावना करीब 12 फीसदी है, जो पहले करीब 42 फीसदी थी। हालांकि सितंबर की 15 से 16 सितंबर की बैठक को लेकर तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं है। बाजार फिलहाल करीब 53 फीसदी संभावना मान रहा है कि फेड सितंबर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ में भारी कटौतीः भारत को बड़ी राहत

500 प्रतिशत को घटाकर 100 प्रतिशत किया

वाशिंगटन, ।

अमेरिका की सीनेट ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर लगाने वाले प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण बिल में बड़ा बदलाव किया है, जिससे भारत सहित कई देशों को राहत मिली है। पहले प्रस्तावित अधिकतम 500 प्रतिशत टैरिफ को अब घटाकर 100 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही, यह टैरिफ सभी देशों पर नहीं, बल्कि केवल रूस के पांच सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस खरीदारों पर ही लागू होगा, जिसमें भारत भी शामिल है। यह निर्णय रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े सैंक्शनिंग रशिया एक्ट के संशोधित संस्करण के तहत हुआ है।इस बिल को पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, जिसमें रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों की खरीद पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। संशोधित बिल में टैरिफ दर में भारी कमी और इसके दायरे को सीमित करना सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है। अब यह टैरिफ केवल चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देशों पर ही लागू होगा, जो रूस के पांच सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं। वॉशिंगटन में सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इसकी अधिकतम दर 100 प्रतिशत होगी, और विशेष परिस्थितियों में सीमित छूट का प्रावधान भी होगा।

इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने आगे बढ़ाया था। ग्राहम ने यूक्रेन दौरे के दौरान कहा था कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बिल को आगे बढ़ाने पर सहमति बना ली थी, जो एक साल से अधिक समय की बातचीत के बाद बनी थी। सीनेट के सहयोगियों के अनुसार, बिल को पहले ही 26 सीनेटरों का समर्थन मिल चुका है और आने वाले दिनों में और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है।संशोधित बिल में उन देशों के लिए भी छूट का प्रावधान है, जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं और रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं। सीनेट के सहयोगियों के मुताबिक, इस छूट का फायदा जापान, फ्रांस, हंगरी और बेल्जियम जैसे देशों को मिल सकता है।

16-17 जुलाई को उत्तराखंड-मेघायल में बंद रहेंगे बैंक, अन्य जगह होगा कामकाज

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के मुताबिक 16-17 जुलाई को पूरे देश में बैंक बंद नहीं रहेंगे, बल्कि क्षेत्रीय त्योहारों और स्थानीय अवसरों के कारण केवल कुछ राज्यों में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। आरबीआई के मुताबिक 16 जुलाई गुरुवार को उत्तराखंड में लोक पर्व हरेला तथा मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के अवसर पर सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन दोनों राज्यों के अलावा देश के अन्य सभी हिस्सों में बैंक सामान्य रूप से खुलेंगे और नियमित कामकाज होगा।

17 जुलाई शुक्रवार को केवल मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के उपलक्ष्य में बैंक अवकाश रहेगा। इस तरह मेघालय में लगातार दो दिन 16-17 जुलाई को बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। वहीं उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में शुक्रवार को बैंक सामान्य रूप से कार्य करेंगे। हालांकि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। यूपीआई के जरिए गूगल पे, फोनपे, पेटीएम और अन्य डिजिटल भुगतान सेवाएं पहले की तरह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहक एटीएम के जरिए नकदी निकाल सकेंगे और जहां कैश डिपॉजिट मशीन उपलब्ध हैं, वहां नकदी जमा करने की सुविधा भी जारी रहेगी। हालांकि चेक जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनवाना, केवाईसी अपडेट कराना, लॉकर संचालन या अन्य शाखा आधारित कार्य अवकाश वाले राज्यों में संभव नहीं होंगे। ऐसे में जिन ग्राहकों को बैंक शाखा में जाकर जरूरी काम करना है, उन्हें स्थानीय अवकाश को ध्यान में रखते हुए पहले से कर लें।

बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करेंः आरबीआई

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों के निदेशक मंडलों की बैठकों के लिए मुद्दे तय करने के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए ताकि बोर्ड अपने समय का ज्यादा कारगर तरीके से इस्तेमाल कर पाएं। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत बोर्डों को साफतौर पर बताना होगा कि उन्होंने कौन से मसले मंजूरी के लिए रखे हैं और उन्हें अपने अधिकारों की समय-समय पर समीक्षा भी करनी होगी। संशोधित व्यवस्था 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगी।

संशोधित नियमों के मुताबिक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन, नीति तथा रणनीति, संबंधित इकाइयों को कर्ज या उनमें निवेश पर नजर रखनी होगी और यह भी तय करना होगा कि कॉरपोरेट प्रशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। रिजर्व बैंक के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'बैठक का एजेंडा तय करने की मूल जिम्मेदारी बोर्ड के चेयरपर्सन की होगी। बैंकिंग नियामक ने कहा कि बैंक की कारोबारी रणनीति, वित्तीय सेहत, प्रशासन के ढांचे, कर्मियों से जुड़े प्रमुख फैसलों, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की आखिरी जिम्मेदारी बोर्ड की ही होगी। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि उसे प्रबंधन से किस तरह की जानकारी चाहिए और कितने अंतराल पर चाहिए। रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है, जरूरत पड़ने पर बोर्ड बाहर से रिपोर्ट मंगा सकता है।

बोर्ड खास मामले बोर्ड समितियों या प्रबंधन समितियों को सौंप सकता है बशर्ते उन्हें साफ तौर पर बताया जाए कि क्या जानकारी देनी है।

वही कीमत, कम वजनः श्रिंकफ्लेशन से महंगाई की नई चाल

मुंबई, ।

महंगाई का असर अब केवल बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं रहा है। बाजार में एक नई प्रवृत्ति तेजी से देखने को मिल रही है, इस अर्थशास्त्र की भाषा में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। इसमें कंपनियां उत्पाद की कीमत पहले जैसी ही रखती हैं, लेकिन उसकी मात्रा या वजन कम करती हैं। नतीजतन, उपभोक्ता को पहली नजर में कीमत में कोई बदलाव नहीं दिखता, जबकि प्रति ग्राम या प्रति किलो के हिसाब से अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। यह छिपी हुई महंगाई उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली-एनसीआर के बाजारों, सुपरमार्केट और मॉल्स में कई इसतरह के उत्पाद मिल रहे हैं, जिनकी पैकेजिंग पहले जैसी दिखती है लेकिन उनका वजन घट चुका है। पहले जहां 1 किलो के पैक उपलब्ध होते थे, वहीं अब 950 ग्राम, 900 ग्राम या 850 ग्राम के पैक बाजार में बिक रहे हैं। इसी तरह 500 ग्राम की जगह 450 ग्राम और 200 ग्राम की जगह 180 या 170 ग्राम के पैक भी आम हो गए हैं। इसका सबसे अधिक असर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले बिस्कुट, नमकीन, चिप्स, चॉकलेट, इंस्टेंट नूडल्स, चाय, कॉफी, मसाले, डिटर्जेंट, साबुन, शैंपू, खाद्य तेल और आटे जैसे उत्पादों पर दिखाई दे रहा है।

दुकानदारों का कहना है कि कंपनियां कीमत बढ़ाने से बचने के लिए तरीका अपना रही हैं। यदि किसी उत्पाद की कीमत सीधे बढ़ाई जाए, तब ग्राहक तुरंत प्रतिक्रिया देता है, लेकिन उसी कीमत पर वजन कम होने पर अधिकांश लोग ध्यान नहीं देते। वहीं, उपभोक्ता संगठनों का मानना है कि यह कानूनी रूप से गलत नहीं है, क्योंकि कंपनियां पैकेट पर वास्तविक वजन स्पष्ट रूप से लिखती हैं।

क्यूबा में फिर गहराया बिजली संकट, ब्लैकआउट से करीब 90 लाख लोग प्रभावित

पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं

नई दिल्ली, ।

क्यूबा एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। मंगलवार को देश की राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई, जिसके चलते पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह तीसरी बार है जब पूरे देश में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। बिजली संकट ने पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्यूबा की सरकारी बिजली कंपनी के मुताबिक पूर्वी प्रांत होलगुइन स्थित एक बिजली उत्पादन इकाई में तकनीकी खराबी आने से ग्रिड की फ्रीक्वेंसी अचानक बदल गई। इसके कारण राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई और पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्लैकआउट के बाद ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय और इलेक्ट्रिक यूनियन ने बिजली बहाल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी। इसके तहत छोटे-छोटे बिजली नेटवर्क तैयार कर उन्हें आपस में जोड़कर अस्पतालों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बिजली दी जा रही है। राजधानी हवाना के कुछ इलाकों में दोपहर बाद बिजली बहाल कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक शहर के करीब 4 फीसदी हिस्से में बिजली आपूर्ति शुरू हो चुकी है। वहीं ग्वांतानामो, सिएनफुएगोस और मातांजास जैसे प्रांतों में भी अस्पतालों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में बिजली बहाल होने लगी है।यह पहली बार नहीं है जब क्यूबा को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह भी देशभर में बड़े पैमाने पर ब्लैकआउट हुआ था, जिससे करीब 90 लाख लोग प्रभावित हुए थे। इससे पहले मार्च में भी दो बार राष्ट्रीय स्तर पर बिजली व्यवस्था ठप हो चुकी है, जबकि कई क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर बिजली कटौती की घटनाएं सामने आई थीं।

क्यूबा लंबे समय से ईंधन की कमी से जूझ रहा है। देश अपनी जरूरत का केवल करीब 40 फीसदी ईंधन ही खुद तैयार कर पाता है।, जबकि बाकी के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इस साल जनवरी से ईंधन संकट और गहरा गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की चेतावनी दी जो क्यूबा को तेल बेचते या उपलब्ध कराते हैं।

भारत-यूके सीईटीए लागू, कपड़ा, चमड़े, आभूषण समेत कई क्षेत्रों के निर्यात के अवसर बढ़ेंगे

कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू होगी

नई दिल्ली, ।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इससे देश में कपड़ा, चमड़े, आभूषण एवं रत्न, समुद्री उत्पादों, केमिकल और अन्य क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों के लिए यूके का बाजार खुला गया और उन्हें अब पहले के मुकाबले निर्यात के ज्यादा अवसर मिलेंगे। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने को लेकर एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ यह समझौता, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। इससे देश के करीब 99 फीसदी निर्यात को यूके में जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जो कि भारत की 100 फीसदी ट्रेड वैल्यू को कवर करता है। मीडिया रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस व्यापार समझौते से कपड़ा, चमड़े, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग का सामान, समुद्री उत्पाद, केमिकल, प्रोसेस्ड फूड के साथ-साथ एमएसएमई, किसानों और अन्य मैन्युफैक्चरर्स को निर्यात के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के आईटी, प्रोफेशनल, फाइनेंशियल, एजुकेशन और बिजनेस सर्विस सेक्टरों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा और साथ ही भारतीय टैलेंट के लिए आवाजाही के मौके भी बढ़ाता है।सोशल सिक्योरिटी समझौते का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि इससे यूके में अस्थायी काम पर गए भारतीय पेशेवरों को पांच साल तक दोहरी सोशल सिक्योरिटी का योगदान देने से छूट मिलती है, जिससे देश के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है।

इसके अलावा गोयल ने समझौते को अंतिम रूप देने में अपनी भूमिका के लिए यूके के अपने समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की बातचीत करने वाली टीमों का धन्यवाद किया।

पहले वनडे में 'RoKo' फैंस निराश

रोहित-विराट दोनों फ्लॉप

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खास कमाल नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैंस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आईं जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट

122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

टीम इंडिया के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।

केएल राहुल का शानदार कैच

बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा है। इस मुकाबले में 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे जसप्रीत बुमराह ने अंग्रेज बल्लेबाजों की नाक में दम किया और एक विकेट लेते ही दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके बाद 706 दिन के इंतजार के बाद भारत की वनडे टीम में लौटे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी कमाल की गेंदबाजी की और केएल राहुल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें विकेट भी मिला। शिवम दुबे ने अपने पहले 5 ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

● जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इरफान पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

पीवी सिंधु की दमदार जीत

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

पहले दौर के नतीजे

- विमेंस सिंगल्स : पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
- मिक्स्ड डबल्स : ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
- मिक्स्ड डबल्स : फेंग यान झे/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गद्दे को 21-11, 21-10 से हराया।
- मेन्स डबल्स : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी को डैनियल लुंडगार्ड/मैड्स वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

स्पेन ने फ्रांस को हराया

● 16 साल बाद फाइनल में बनाई जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएंते की कप्तानी में स्पेनिश टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

- **स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल-** सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

● बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत ● सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार जीत अपने नाम कर ली है। बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया यह मुकाबला टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बर्मिंघम में 12 साल के इंतजार के बाद भारतीय टीम ने वनडे मैच जीता है। अक्षर पटेल इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो साबित हुए। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से कमाल किया और शानदार अर्धशतकी पारी खेली। अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में 9.5 ओवर में 4 विकेट लेकर 62 रन दिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने टीम को तब संभाला जब उनकी बल्लेबाजी की खास जरूरत थी। अक्षर ने 52 गेंद पर नाबाद 57 रन की पारी खेली।

12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, ब्नह्रष्टढ्ढ को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

शुभमन गिल बीच मैच गए मैदान से बाहर

80 रन बनाकर हुए रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।

सिर्फ 1 महीने छोड़कर देखें शराब, होंगे ये बड़े फायदे

बहुत से लोगों ने न्यू ईयर की पार्टी की प्लानिंग अभी से शुरू कर दी है। उनके लिए सबसे बड़ा आकर्षण होगी शराब पार्टी। सभी जानते हैं कि शराब सेहत के लिए नुकसानदायक है। इसके नियमित सेवन से कैंसर, लिवर और हार्ट संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो सालभर में शराब छोड़ने की कई कोशिश करता है, लेकिन लत फिर हावी हो जाती है। इस बीच, पश्चिमी देशों में 'ड्राय मंथ' यानी 'पूरे महीने शराब का सेवन नहीं' अभियान चलाया जाता रहा है। कोशिश यही रहती है कि लोग एक महीने शराब से दूर रहें, क्योंकि यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स के मुताबिक, इसके बहुत फायदे हैं और ये फायदे लंबे समय तक बने रहने वाले हैं।

ससेक्स यूनिवर्सिटी के डॉ. रिचर्ड डी. विसर ने अपने शोध में पाया कि 2018 में ड्राई जनवरी में हिस्सा लेने वाले लोगों में हमेशा एनर्जी बनी रही। इसके साथ ही उनका वजन भी कंट्रोल रहा। सबसे बड़ी बात, एक महीने की गैप के बाद उन्हें शराब पीने की जरूरत पहले से कम महसूस हुई। अध्ययन में 2821 लोगों ने हिस्सा लिया था। पहले ये हफ्ते में औसत 4.3 दिन शराब पीते थे, जो बाद में घटकर 3.3 दिन रह गई। एक बार में शराब पीने की मात्रा भी 8.6 यूनिट ऑफ अल्कोहल से घटकर 7.1 यूनिट रह गई। इस अभियान से हुए अन्य फायदों में शामिल हैं । 10 में से 9 लोगों को पैसों की बचत हुई, 10 में से 7 लोगों को बेहतर नींद आने लगी, हर पांच में से तीन लोगों का वजन घट गया।

अध्ययन करने टीम के लीडर डॉ. विसर के अनुसार, शराब से दूरी बनाने का हर मौका भुनाना चाहिए। यदि कोई एक महीने के लिए शराब नहीं छोड़ सकता है तो उसे कुछ दिनों के लिए ऐसा करना चाहिए। इससे भी सेहत को बहुत फायदा होगा।

शराब की लत का यह है इलाज

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार जिन लोगों को शराब की लत होती है, वे यह तय नहीं कर पाते हैं कि वे कितनी शराब पीएंगे, कब तक पीएंगे और इसके क्या बुरे नतीजे होंगे? ऐसे लोगों के लिए एकदम से शराब छोड़ना मुश्किल होता है। ज्यादा शराब पीने से याददाश्त कमजोर होती है, आंखों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं, ब्लड प्रेशर हाई बना रहता है, डायबिटीज का खतरा रहता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और कैंसर भी हो सकता है। ऐसे लोगों के मन में आत्महत्या के विचार जल्दी आते हैं।

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, जिन लोगों में शराब के लक्षण दिखाई देते हैं, उन्हें इसके खतरों से वाकिफ करवाया जाना चाहिए। हो सकता है खतरे भांप कर वे पीना कम कर दें या बंद कर दें। शराब की लत छुड़ाने के लिए डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाओं का सहारा भी लिया जा सकता है, लेकिन सबसे जरूरी है मरीज की मानसिक मजबूती। यदि वह दृढ़ निश्चय कर ले तो ही शराब छोड़ी जा सकती है।

1 महीने शराब छोड़ने के 10 फायदे

- 71 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे बेहतर नींद लेने लगे।
- 70 प्रतिशत ने अपने सम्पूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर पाया।
- 67 प्रतिशत को शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ा लगा।
- 58 प्रतिशत ने अपना वजन कम कर लिया।
- 57 प्रतिशत ने एकाग्रता (फोकस) में सुधार पाया।
- 54 प्रतिशत को अपनी त्वचा में चमक नजर आई।
- 80 प्रतिशत ने अपने पीने की आदतों पर नियंत्रण महसूस किया।
- 76 प्रतिशत ने समझा कि उन्हें पीने का अधिक लालच क्यों होता था?
- 71 प्रतिशत ने जाना कि उन्हें मस्ती करने के लिए शराब की जरूरत नहीं
- 88 प्रतिशत ने पैसे बचाए।

दिमाग को शराबी बनाती है शराब

पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के अध्ययनकर्ताओं ने शराब का एक रोचक पहलू पता किया है। इनका कहना है कि शराब दिमाग को और शराब पीने के लिए उकसाती है। यही कारण है कि एक बार शराब पीने के बाद जब व्यक्ति उसी बार के सामने से गुजरता है या उन्हीं दोस्तों के संपर्क में आता है तो दिमाग शराब की लत को जगा देता है।

रेसिपी

सूजी उत्तपम

सामग्री

- सूजी: एक कप
- दही: एक कप
- बारीक कटा हुआ एक टमाटर
- बारीक कटी हुई एक प्याज
- बारीक कटी हुई दो हरी मिर्च
- धनिया: दो बड़ा चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल तलने के लिए

विधि

सूजी उत्तपम बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में सूजी, दही और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। बैटर गाढ़ा होने की वजह से थोड़ा-सा पानी भी मिलाएं और इसे इडली और डोसे के बैटर जैसा तैयार कर लें। बैटर में प्याज, टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती सभी थोड़ा-थोड़ा डालकर मिक्स कर लें और बाकी का बचाकर अलग रख लें। मीडियम आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही पैन में बैटर डालें। एक मिनट बाद बाकी बची सब्जियां भी ऊपर से डाल दें और दो मिनट तक परांठे की तरह सेंक लें। आप इसे चटनी या कैचअप के साथ सर्व कर सकते हैं।

मूली की चटनी

सामग्री

- चना दाल: 1 चम्मच ■ उड़द दाल: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच ■ धनिया: 1 चम्मच
- लाल मिर्च: 3 ■ लहसुन: 3 कलियां
- अदरक: 1 टुकड़ा
- कटी हुई मूली: 1 कप ■ हल्दी: 1/4 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच ■ पानी: 2 चम्मच
- इमली: 1 टुकड़ा ■ नमक: 1/2 चम्मच
- तेल: 1 चम्मच ■ सरसों : 1/2 चम्मच
- करी पत्ता: 10 ■ हींग: चुटकी भर

विधि

मूली की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 2 चम्मच तेल डाल लें। इसके बाद पैन में चना-उड़द दाल, जीरा, धनिया और लाल मिर्च डालें। धीमी आंच पर दाल को सुनहरा होने तक पकाएं। इसके बाद इसमें लहसुन, अदरक, मूली और हल्दी पाउडर मिलाकर 1 मिनट तक भून लें। अब पैन में लगभग 2 चम्मच पानी डालकर सब चीजों को अच्छे से मिलाने के बाद ढककर धीमी आंच पर 5 मिनट तक पकाएं। पांच मिनट बाद गैस बंद कर दें। जब तक पेस्ट पूरी तरह से ठंडा न हो जाए पैन को ढककर ही रखें। इसेक बाद भूने हुए पेस्ट के साथ इमली और नमक को ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीस लें।

तड़का बनाने के लिए- तड़के के लिए 1 चम्मच तेल पैन में डालकर गर्म कर लें। उसमें तड़के वाली सभी चीजें मिला लें। सरसों के चटकने पर चटनी को उसमें पलट दें। आपकी स्वादिष्ट मूली की चटनी बनकर तैयार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3949

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः: 16/23 — 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3948 का हल

लॉफिंग जौन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

□ □ □

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3949

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3948

ह	ल	च	ल	■	जी	व	न	मृ	त्यु
व	■	मे	■	भू	त	■	■	त्यु	■
स	हे	ली	■	मि	■	खा	न	दा	न
■	रा	■	शि	का	र	■	सी	ता	■
धू	म	■	वा	■	क्ष	■	ब	■	बे
प	■	खे	■	ता	क	त	■	■	ता
■	गो	ल	मा	ल	■	ला	ट	सा	ब
पा	पी	■	शू	■	जो	श	■	या	■
की	■	शं	क	र	■	■	घा	■	स्व
जा	नू	■	■	ज	मा	न	त	■	र्ग

सूडोकु -3949

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3948 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 3949

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -3948 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी